RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 227 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 17-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 केवल परिवार और रिश्तेदारों के बारे में सोचती थी सपा सरकार : योगी आदित्यनाथ

6 ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बनता गैस संकट

7 प्रेम कहानियों की वापसी होगी : जोया अख्तर

फर्स्ट टेक

कर्नाटक : उडुपी में एलपीजी टैंकर पलटा, कोई नुकसान नहीं

उडुपी/भाषा। कर्नाटक के उडुपी जिले में कटपडी के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार को एलपीजी का एक टैंकर पलट गया जिससे क्षेत्र के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, एलपीजी लेकर यह टैंकर मंगलुरु से उडुपी की ओर आ रहा था। तभी राजमार्ग के पास मोड़ पर चालक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया जिससे टैंकर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह टैंकर सड़क के किनारे पलटा जिससे गैस लीक होने और विस्फोट होने की आशंका पैदा हो गई। हालांकि, दमकल कर्मियों ने तत्काल मौके पर पहुंच कर एहतियाती उपाय किए। अधिकारियों ने कहा कि बचाव टीम ने टैंकर पर पानी का छिड़काव किया और कंटेनर से किसी प्रकार के लीकेज की जांच की। इस घटना से यातायात कुछ समय तक बाधित रहा। इस घटना में किसी तरह के जानमाल की सूचना नहीं है। पलटे हुए टैंकर से गैस दूसरे वाहन में स्थानांतरित करने की व्यवस्था की जा रही है।

सरकार ने हीरे जड़े चांदी के आभूषणों के आयात पर 'अंकुश' लगाया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सस्ते हीरों से जड़े चांदी के आभूषणों के आयात पर इस वर्ष 30 जून तक 'अंकुश' लगा दिया है। एक अधिसूचना में यह कहा गया। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने कहा, ''इन वस्तुओं की आयात नीति को तत्काल प्रभाव से 30 जून, 2026 तक मुक्त से अंकुश में डाल दिया गया है।'' एक उद्योग विशेषज्ञ के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य आसियान देशों से चांदी के आयात को कम करना है।

एअर इंडिया का विमान तकनीकी खराबी के कारण आयरलैंड की ओर मोड़ा गया

नई दिल्ली/भाषा। न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के ए350 विमान को सोमवार को तकनीकी खराबी के कारण शैनन की ओर मोड़ दिया गया और व्यापक तकनीकी जांच के लिए विमान आयरलैंड के इस शहर में उतारा गया है। सूत्रों के अनुसार, विमान में लगभग 300 लोग सवार थे और यह शैनन की ओर मोड़े जाने से पहले लगभग छह घंटे तक हवा में रहा। एअरलाइन ने शाम को जारी एक अद्यतन बयान में कहा, 15 मार्च को न्यूयॉर्क (जेएफके) से दिल्ली जा रहे विमान एआई102 को तकनीकी खराबी की आशंका के चलते एहतियाती तौर पर आयरलैंड के शैनन की ओर मोड़ दिया गया।

भारत आज अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी में कर रहा निवेश : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को यहां आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में भारत रक्षा और सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार के एक जीवंत केंद्र के रूप में उभरा है। सिंह ने कहा कि भारत आज अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी में निवेश कर रहा है, जिससे रक्षा समाधानों की परिकल्पना और विकास के तरीके में बदलाव आ रहा है। उन्होंने गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) में रक्षा अताशे के लिए आयोजित दो-दिवसीय गोलमेज सम्मेलन को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि भारत मानता है कि प्रौद्योगिकी प्रगति अलग-थलग रहकर नहीं हो सकती।

भारत आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानवरहित प्रणालियों से लेकर अंतरिक्ष और उन्नत डिजिटल क्षमताओं तक, अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी में निवेश कर रहा है, जिससे रक्षा समाधानों की परिकल्पना और विकास के तरीके में बदलाव आ रहा है।

'वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी परिदृश्य में आत्मनिर्भर भारत: नवाचार, निर्यात और संयुक्त प्रौद्योगिकी साझेदारी को गति देना' विषय पर आयोजित दो-दिवसीय सम्मेलन में अफ्रीका, एशिया, प्रशांत और कैरेबियन सहित 24 देशों के राजनयिक और रक्षा प्रतिनिधि शामिल हुए।

सिंह ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, ''पिछले एक दशक में, भारत रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में नवाचार के एक जीवंत केंद्र के रूप में उभरा है। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना से प्रेरित होकर, हमारा दृष्टिकोण वैश्विक स्तर पर जुड़े रहते हुए आत्मनिर्भरता का निर्माण करना है।'' उन्होंने कहा, ''भारत आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानवरहित प्रणालियों से लेकर अंतरिक्ष और उन्नत डिजिटल क्षमताओं तक, अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी में निवेश कर रहा है, जिससे रक्षा समाधानों की परिकल्पना और विकास के तरीके में बदलाव आ रहा है।''

रक्षामंत्री ने रेखांकित किया कि प्रौद्योगिकी प्रगति अलग-थलग रहकर नहीं हो सकती और साइबर जगत से लेकर हाइब्रिड खतरों तक, युद्ध के बदलते स्वरूप से गहन अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि भारत का दृढ़ विश्वास है कि साझेदारी, सह-विकास, ज्ञान साझाकरण, प्रशिक्षण और सहयोगात्मक क्षमता निर्माण के माध्यम से ही स्थायी सुरक्षा का निर्माण होता है। सिंह ने कहा, ''विभिन्न क्षेत्रों में रक्षा संबंधी गतिविधियों का भारत का बढ़ता नेटवर्क इसी विश्वास को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि भारत एक सुरक्षित, खुले और समावेशी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए साझेदारों के साथ संवाद, संयुक्त अभ्यास और औद्योगिक सहयोग कर रहा है।

फैशन डिजाइन

सोमवार को अमृतसर में खालसा कॉलेज फॉर वुमेन के फैशन डिजाइन विभाग द्वारा आयोजित 'मिराज-4' फैशन शो के दौरान पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागी।

ओडिशा के अस्पताल के आईसीयू में

भीषण आग लगने से 10 मरीजों की मौत, 11 कर्मचारी झुलसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार द्वारा संचालित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू में रविवार देर रात भीषण आग लगने से कम से कम 10 मरीजों की मौत हो गई।

घटना के बाद अस्पताल पहुंचे मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बताया कि मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने के दौरान अस्पताल के करीब 11 कर्मचारी झुलस गए।

मुख्यमंत्री ने छह सदस्यों की एक जांच टीम बनाई है, जो आग लगने की वजह की जांच करेगी और आज शाम तक अपनी रिपोर्ट देगी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, विकास आयुक्त डी.के. सिंह की अगुवाई में बनी जांच टीम एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल जाएगी और आज शाम तक मुख्य सचिव को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। माझी ने बताया कि आग शायद शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

एक अधिकारी ने बताया कि आग देर रात ढाई बजे से तीन बजे के बीच लगी और दमकलकर्मी तुरंत अस्पताल पहुंचे व आग बुझाने के लिए अभियान शुरू किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आग लगने की घटना में मरीजों की मौत पर शोक व्यक्त किया और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृत व्यक्ति के परिजन को दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ओडिशा के कटक स्थित एक अस्पताल में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। अपनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना। प्रत्येक मृतक के परिजन को पीएमएनआरएफ की ओर से दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।''

श्री हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई को खुलेंगे

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड में विश्व के सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित प्रसिद्ध गुरुद्वारे श्री हेमकुंड साहिब के कपाट इस साल 23 मई को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। श्री हेमकुंड साहिब प्रबंधन न्यास के अध्यक्ष नरेन्द्रजीत सिंह बिंद्रा ने सोमवार को प्रदेश के मुख्य सचिव आनंद बर्धन से मुलाकात कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरुद्वारे के कपाट आगामी 23 मई को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। मुलाकात के दौरान आगामी यात्रा व्यवस्थाओं तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने यात्रा के दौरान हर संभव सहयोग देने का आश्वासन देते हुए स्थानीय प्रशासन को समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री हेमकुंड साहिब प्रबंधन न्यास राज्य सरकार के समन्वय से इस यात्रा का संचालन करता है तथा तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर, रतूड़ा, जोशीमठ, गोविंदघाट, घांघरिया में अपनी धर्मशालाओं में निशुल्क ठहरने और भोजन की व्यवस्था करता है।

भारत चुनौतियों से घिरी दुनिया का फिर से मार्गदर्शन करे : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

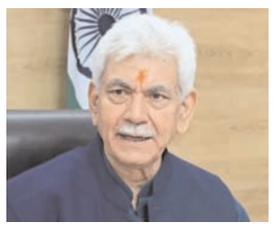

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को तकनीकी रूप से मजबूत और मानवीय संवेदनाओं से युक्त समाज के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत चुनौतियों से जूझ रही दुनिया का मार्गदर्शन करने में अपना स्थान फिर से हासिल करे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्धिक और नैतिक चेतना को भी समृद्ध करें।

सिन्हा यहां केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में महाराजा रणबीर सिंह की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मानव कल्याण से प्रेरित भारत विश्व शांति और साझा समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। समय आ गया है कि भारत चुनौतियों से जूझ रही इस दुनिया का मार्गदर्शन करते हुए अपना स्थान पुनः प्राप्त करे।

इस अवसर पर उपराज्यपाल ने विश्वविद्यालय के जम्मू परिसर का नाम बदलकर श्री महाराजा रणबीर सिंह परिसर करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, हमें अपने युवाओं को एक सशक्त भारत के निर्माण के लिए तैयार करना होगा, जो देशों को अटूट एकता में जोड़ सके और उनमें विश्व शांति तथा मानव कल्याण की भावना को प्रज्वलित करे। उन्होंने क्षेत्र में गुरुकुल, संस्कृत पाठशालाओं और वेद पाठशालाओं की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता देने का भी आश्वासन दिया।

युद्ध के कारण उत्पादों के विपणन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को यहां कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध राज्य में बने उत्पादों के विपणन को प्रभावित कर रहा है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए कदम उठा रहे हैं।

अमरावती में पोट्टी श्रीरामुलु की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं कि पश्चिम एशिया युद्ध का देश पर कोई प्रभाव न पड़े।

नायडू ने कहा, युद्ध के कारण राज्य के विभिन्न उत्पादों के विपणन में समस्या आ रही है। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी युद्ध के दुष्परिणामों को देश पर पड़ने से रोकने के लिए उपाय कर रहे हैं।

टीडीपी प्रमुख ने कहा कि विकास को रुकने से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठाए जाने चाहिए।

इससे पहले, नायडू ने स्वतंत्रता सेनानी पोट्टी श्रीरामुलु की 58 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया, जिन्होंने तेलुगु भाषी लोगों के लिए मद्रास से अलग राज्य की मांग करते हुए आमरण अनशन किया था।

श्रीरामुलु का आमरण अनशन 58 दिनों तक चला और 15 दिसंबर, 1952 को उनका निधन हो गया।

17-03-2026 सूर्यास्त 6:30 बजे | 18-03-2026 सूर्योदय 6:25 बजे

BSE	NSE
75,502.85 (+938.93)	23,408.80 (+257.70)

सोना	चांदी
16,209 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	262,995 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मेरा परिवार

हर भारतवासी है परिजन,
इसमें कोई भी नहीं वाद।
आखिर क्यों हम सब करते फिर,
कुछ परिवारों का ही निनाद।
भूलो सत्ता में पुरखों को,
छोड़ो सब ही परिवारवाद।
कुछ काम करो ऐसा जिससे,
रख सके आपको सभी याद।।

रूस ने मॉस्को को निशाना बनाने आए यूक्रेन के 250 ड्रोन मार गिराए

मॉस्को/भाषा। रूस की वायुरक्षा प्रणाली ने सप्ताहांत में राजधानी मॉस्को को निशाना बनाने के लिए यूक्रेन की ओर से भेजे गए 250 ड्रोन मार गिराए। शहर के महापौर सर्गेई सोब्यानिन ने सोमवार को यह जानकारी दी। महापौर का यह बयान ऐसे समय आया है जब सोमवार सुबह कुछ प्रमुख हवाई अड्डों को उड़ानों की संख्या में कटौती करनी पड़ी।

सोब्यानिन ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा, ''रक्षा मंत्रालय की वायु रक्षा प्रणाली को उनके पेशेवर और समर्पित कार्य के लिए धन्यवाद।'' उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी की ओर या रक्षा की दूसरी पंक्ति की ओर बढ़ रहे 250 स्थिर डैनों वाले ड्रोन को मार गिराया गया। यूक्रेन ने 14 मार्च को मॉस्को को निशाना बनाने के लिए बड़े पैमाने पर हमलों की शुरुआत की। राजधानी की ओर बढ़ते समय कुल 159 ड्रोन को मार गिराया गया। इन हमलों की वजह से सोमवार को प्रमुख हवाई अड्डों पर परिचालन सीमित करना पड़ा। मोस्कवा 24 चैनल ने जानकारी दी, ''हवाई सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण, राजधानी के डोमोडेडोवो और ज़ुकोवस्की हवाई अड्डे वर्तमान में संबंधित अधिकारियों के समन्वय से उड़ानों का परिचालन कर रहे हैं।''

ईरान ने खाड़ी में पड़ोसियों को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेरूत/एपी। ईरान पर अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमले के दो सप्ताह बाद भी सोमवार को दोनों पक्षों में लड़ाई जारी रही। इजराइल ने जहां लेबनान में ईरान समर्थक हिजबुल्ला के ठिकानों पर बम वर्षा की वहीं, ईरान ने जवाबी हमले के रूप में इजराइल के अलावा पड़ोसी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और तेल अवसंरचना को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की।

इजरायल द्वारा रविवार देर रात लेबनान की राजधानी बेरूत पर किए गए हमले में धमाकों की गूंज सुनाई दी। इजरायल ने तेहरान पर भी नए सिरे से हमले शुरू किए, वहीं दुबई को अपने हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि एक ईरानी ड्रोन ने ईंधन टैंक को निशाना बनाया था।

अगर ईरान अपना रुख बदले तो हम युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार : इजराइली दूत रूवेन अजार

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने सोमवार को कहा कि अगर ईरान अपना रुख बदलता है तो हम युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का सोमवार को 17वां दिन है।

अजार ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पिछले कुछ दिनों में इजराइल ने ''कूटनीतिक माध्यमों'' से बातचीत की और अमेरिका तथा क्षेत्र के अन्य देशों में अपने साझेदारों से भी परामर्श किया। उन्होंने कहा कि इस परामर्श में वह देश भी शामिल थे, जिनके साथ इजराइल के राजनयिक संबंध नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम हमेशा कूटनीति के पक्षधर हैं। दुर्भाग्य से, कूटनीति के इतने प्रयास विफल हो गए कि हमें सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी। हमें उम्मीद है कि हमारी सैन्य कार्रवाई के परिणामस्वरूप कूटनीति फिर से प्रासंगिक हो जाएगी। अजार ने यह भी कहा कि सैन्य कार्रवाई के माध्यम से, हमने ईरान की मिसाइल दागने की क्षमता को काफी हद तक कम कर दिया है।

भारत ने ईरान से 550 से अधिक भारतीयों को निकाला

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने आर्मेनिया के रास्ते ईरान से अपने 550 से अधिक नागरिकों को निकाला है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को आर्मेनिया को पारगमन सुविधा प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष को देखते हुए, नई दिल्ली ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों से आग्रह कर रही है कि वे सीमा पार कर आर्मेनिया की ओर आ जाएं, ताकि वहां से स्वदेश वापसी की सुविधा प्रदान की जा सके। वर्तमान में ब्रसेल्स की यात्रा कर रहे जयशंकर ने कहा, ''ईरान से अब तक 550 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी में सुविधा प्रदान करने के लिए आर्मेनिया सरकार और वहां के लोगों को धन्यवाद।'' उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''इस चुनौतीपूर्ण समय में उनके समर्थन के लिए हम आभारी हैं।''

भारत ने ईरान में अपने नागरिकों से कहा, बिना दूतावास से समन्वय के सीमा पार न करें

दुबई/भाषा। भारत ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों से सोमवार को कहा कि वे तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के साथ पूर्व और स्पष्ट समन्वय के बिना आगे की यात्रा के लिए किसी भी सीमा को पार करने का प्रयास न करें। एक परामर्श में, दूतावास ने कहा कि वैसे भारतीय नागरिक जो उसकी जानकारी और मार्गदर्शन के बिना सीमा पार करके ईरान छोड़ने का प्रयास करते हैं, उन्हें आवागमन और आव्रजन संबंधी गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। परामर्श में कहा गया, ''ईरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे भारतीय दूतावास के साथ पूर्व और स्पष्ट समन्वय के बिना आगे की यात्रा के लिए ईरान की किसी भी सीमा को पार करने का प्रयास न करें।'' परामर्श में कहा गया कि पूर्व समन्वय के बिना लोगों के ईरानी क्षेत्र से बाहर जाने पर दूतावास सहायता प्रदान करने की स्थिति में नहीं होगा।

उत्तराखंड: ऋषिकेश में शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव, धामी ने की युवाओं से अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऋषिकेश/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि समग्र जीवन पद्धति है और युवाओं को इसे जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

यहां मुनि की रेती में 'गंगा रिजॉर्ट' में सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव- 2026 का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि समग्र जीवन पद्धति है जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का काम करता है।

उन्होंने देश के युवाओं से योग को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत युवा आमतौर पर थकावट महसूस करते हैं और इसे दूर करने में योग उनका सबसे अच्छा सहयोगी बन सकता है। धामी ने योग को भारत की प्राचीन और महान आध्यात्मिक परंपरा की अमूल्य धरोहर बताया और कहा कि हजारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषि-मुनियों ने योग के माध्यम से तन, मन और आत्मा के संतुलन का जो मार्ग दिखाया था, आज वह पूरी दुनिया के लिए स्वस्थ जीवन, मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का सशक्त आधार बन चुका है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है और आज दुनिया के 180 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग का अभ्यास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि योगभूमि भी है और हमारे लिए यह अत्यंत गर्व की बात है कि आज पूरी दुनिया में ऋषिकेश को विश्व की योग राजधानी के रूप में पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने योग नीति-2025 बनायी है जिसके तहत प्रदेश में आयुष आधारित 300 से अधिक आयुष्मान आरोग्य केंद्र संचालित किए जा रहे हैं जबकि हर जिले में 50 और 10 बिस्तर वाले आयुष चिकित्सालय की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि योग और आध्यात्म को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

धामी ने कहा कि इसके साथ ही राज्य में आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों में एक-एक आध्यात्मिक आर्थिक जोन (स्पिरिचुअल इकोनॉमिक ज़ोन) की स्थापना की जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गढ़वाल मंडल विकास निगम और उत्तराखंड पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा यह अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव पिछले 35 वर्षों से योग की परंपरा को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एलपीजी संकट पर खरगे ने सरकार को घेरा, नड्डा ने कांग्रेस पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को देश में एलपीजी संकट के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने संकट के लिए सरकार की अग्रिम योजना की कमी को जिम्मेदार ठहराया, जबकि केंद्रीय मंत्री और सदन के नेता जे पी नड्डा ने कांग्रेस पर देश में अराजकता फैलाने और राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगाया।

शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए खरगे ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण एलपीजी आपूर्ति पर असर पड़ा है और इसका प्रभाव देशभर में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि इस संकट का सबसे अधिक असर गरीब और कमजोर वर्गों, मध्यम वर्ग, सामान्य परिवारों, रेस्तरां, छात्रावासों तथा व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

खरगे ने कहा कि भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है और इसमें से करीब 90 प्रतिशत आयात होर्मुज की खाड़ी के रास्ते होता है। ''ऐसे में मौजूदा स्थिति घरेलू उपलब्धता और कीमतों की स्थिरता दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है।''

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एलपीजी संकट का असर देश के लगभग हर हिस्से में महसूस किया जा रहा है और घरेलू उपभोक्ता काफी परेशान हैं। छोटे ढाबों, रेस्तरां, छात्रावासों और सामुदायिक रसोई तक इस संकट से प्रभावित हैं। उन्होंने दावा किया कि कई स्थानों पर एलपीजी सिलेंडर 5,000 रुपए से अधिक कीमत पर बेचे जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने लोकसभा में एलपीजी की कमी से इनकार करते हुए लोगों से अफवाहों से दूर रहने की अपील की थी, लेकिन जमीनी स्थिति इससे अलग है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब सरकार को पता था कि पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री मार्ग प्रभावित हो सकते हैं, तो उसे पहले से वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि यदि एलपीजी आयात के लिए पहले से वैकल्पिक उपाय किए गए होते तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती।

गुलाबी टिकट के माध्यम से महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा सुविधा तीन महीने तक जारी रहेगी : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि सार्वजनिक परिवहन की बसों में 'गुलाबी टिकट' के माध्यम से महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा अगले तीन महीनों तक जारी रहेगी। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे घबराएं नहीं और 'पिंक सहेली' कार्ड बनवाने के लिए जल्दबाजी न करें। दिल्ली सरकार की योजना के तहत महिलाएं गुलाबी टिकट के जरिए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और क्लस्टर बसों में यात्रा कर सकती हैं। सरकार दिल्ली की पात्र महिलाओं को 'पिंक कार्ड' जारी करके टिकट प्रणाली को बदल रही है। गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि महिलाओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि मुफ्त यात्रा के लिए टिकट प्रणाली अगले तीन महीनों तक जारी रहेगी और बसों में कार्ड भी स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपनी सुविधानुसार 'पिंक स्मार्ट कार्ड' जारी करने के लिए स्थापित केंद्रों पर जा सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा, ''सरकार जरूरत पड़ने पर महिलाओं की सुविधा के लिए केंद्रों की संख्या बढ़ाएगी।'' दिल्ली सरकार ने 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' जारी करने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में 50 अधिकृत केंद्र स्थापित किए हैं। 'पिंक नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' की शुरुआत हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की थी। दिल्ली की पात्र महिला निवासी निर्धारित काउंटर से 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' नि:शुल्क प्राप्त कर सकती हैं।

शेयर बाजार में तीन दिन से जारी गिरावट थमी, सेंसेक्स 939 अंक चढ़ा, निफ्टी 23,400 अंक के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 939 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 23,400 अंक के पार निकल गया। प्रमुख कंपनियों के शेयरों में निचले स्तर पर लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 938.93 अंक यानी 1.26 प्रतिशत बढ़कर 75,502.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 75,805.27 अंक तक गया और नीचे में 73,949.76 अंक तक आया। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 257.70 अंक यानी 1.11 प्रतिशत चढ़कर 23,408.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से अल्ट्राटेक सीमेंट में सबसे ज्यादा 4.22 प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इटर्नल, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, टाटा स्टील और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा, पावर ग्रिड और भारती एयरटेल शामिल हैं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, '' बाजार में कारोबार समाप्त होने से पहले तेजी आई। वाहन, बैंक और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में निचले भाव पर लिवाली से बाजार बढ़त में रहा...।''

नायर ने कहा, ''निकट भविष्य में निवेशकों का रुख होर्मुज जलडमरूमध्य में होने वाले घटनाक्रमों पर निर्भर करेगा। आपूर्ति शृंखला पर प्रतिकूल प्रभाव कम होने से बाजार को और समर्थन मिल सकता है।'' मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.36 प्रतिशत नीचे आया जबकि छोटी कंपनियों से जुड़ा स्मॉलकैप 0.25 प्रतिशत टूटा।

महाराष्ट्र में 18 लोग गिरफ्तार, 1,208 सिलेंडर जब्त, ईंधन पंप पर केरोसिन बेचने की योजना : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण एलपीजी की कथित कमी के बीच अनियमितताओं पर राज्य सरकार की कार्रवाई के तहत 23 मामले दर्ज किए गए हैं और 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

विधान परिषद में कांग्रेस के अभिजीत वंजारी द्वारा उठाए गए मुद्दे का जवाब देते हुए भुजबल ने पश्चिम एशिया संकट के बीच कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को गिनाया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने जिला स्तर पर जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों की समितियां गठित कीं, जिन्होंने 2,129 छापे मारे और 1,208 सिलेंडर और 33,66,411 रुपए का सामान जब्त किया। भुजबल ने बताया कि राज्य सरकार ने 23 मामले दर्ज किए हैं और 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में केरोसिन है और वह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के साथ मिलकर उनके ईंधन पंपों के माध्यम से इसे उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है। भुजबल ने दावा किया कि रसोई गैस, एलपीजी और पीएनजी की कोई कमी नहीं है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के प्रतिनिधियों से बातचीत की, जिन्होंने उन्हें बताया कि रसोई गैस का उत्पादन नौ मीट्रिक टन से बढ़ाकर 11 मीट्रिक टन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केंद्र सरकार से संबंधित है, जिसने कहा है कि एलपीजी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

पश्चिम एशिया संकट: निर्यातकों के लिए सहायता उपायों की जल्द घोषणा करेगी सरकार

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य मंत्रालय पश्चिम एशिया में जारी संकट से निपटने के लिए निर्यातकों की मदद को जल्द ही कुछ सहायता उपायों की घोषणा कर सकता है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को यहां पत्रकारों को बताया कि विभाग इस सप्ताह के भीतर इन कदमों की विस्तृत जानकारी साझा करेगा।

माना जा रहा है कि ये उपाय मुख्य रूप से बीमा जैसे क्षेत्रों से संबंधित हो सकते हैं। पिछले महीने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के कारण पश्चिम एशिया में जहाजों और विमानों की आवाजाही बुरी तरह बाधित हुई है। इस तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिससे निर्यातकों के लिए समुद्री और हवाई माल ढुलाई के साथ-साथ बीमा प्रीमियम की लागत भी काफी बढ़ गई है।

वित्त वर्ष 2024-25 में पश्चिम एशिया को भारत का निर्यात 58.8 अरब डॉलर रहा था। सूखे मेवे, फल और सब्जियों जैसे क्षेत्रों के निर्यातकों का कहना है कि युद्ध के कारण कारण उनकी खेप प्रभावित हुई है।

भारतीय तेल टैंकर मंगलवार को पहुंचेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

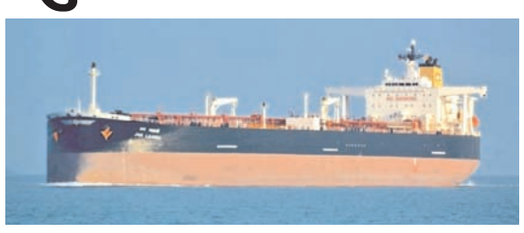

नई दिल्ली/भाषा। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने सोमवार को कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह बंदरगाह पर हमले के बावजूद सुरक्षित रवाना भारतीय ध्वज वाला कच्चे तेल का टैंकर मंगलवार को भारत पहुंचेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत क्षेत्र में फंसे अन्य भारतीय ध्वज वाले जहाजों को सुरक्षित निकलने का रास्ता साफ करने के लिए काम कर रहा है। सिन्हा ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात से लगभग 80,800 टन मुरबान कच्चा तेल ले जा रहा जहाज 'जग लाडकी' और उस पर सवार सभी 22 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। जग लाडकी उन 28 भारतीय जहाजों में से चौथा जहाज है जो पिछले दो हफ्तों से युद्धग्रस्त होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे हुए हैं। वर्तमान में, पश्चिमी फारस की खाड़ी में 611 नाविकों सहित 22 भारतीय ध्वज वाले जहाज फंसे हुए हैं। दो एलपीजी लदे जहाजों ने 13 मार्च को अपनी यात्रा शुरू की और 14 मार्च की सुबह होर्मुज जलडमरूमध्य को पार किया। उन्होंने बताया कि पहला जहाज, शिवालिक, गुजरात के मुंदड़ा बंदरगाह पर पहुंचा, जहां अग्रिम कागजी कार्रवाई और प्राथमिकता के आधार पर माल उतारने की व्यवस्था की गई थी। दूसरा जहाज, नंदा देवी, मंगलवार सुबह कांडला बंदरगाह पर पहुंचने वाला है।

देश के निर्यात में फरवरी में मामूली गिरावट, व्यापार घाटा मासिक आधार पर हुआ कम

नई दिल्ली/भाषा। देश का माल निर्यात फरवरी में सालाना आधार पर 0.81 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 36.61 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। व्यापार घाटा मासिक आधार पर घटकर 27.1 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। पश्चिम एशिया संकट का प्रभाव मार्च महीने के आंकड़ों में सामने आएगा क्योंकि युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था। ये आंकड़े मई के मध्य तक जारी किए जाएंगे। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच लॉजिस्टिक संबंधी चुनौतियों के कारण मार्च में निर्यात में गिरावट का रुझान देखने को मिलेगा। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमले से अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में माल ढुलाई बाधित हो गई है। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है जिससे हवाई एवं समुद्री माल ढुलाई में भी तेजी से वृद्धि हुई है।

फरवरी में सोने और चांदी के आयात में भारी वृद्धि के कारण आयात 24.11 प्रतिशत बढ़कर 63.71 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। सोने का आयात 218.55 प्रतिशत बढ़कर 7.44 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया जबकि चांदी का आयात 285.23 प्रतिशत बढ़कर 1.66 अरब डॉलर हो गया।

भारत ने व्यापार वार्ता के लिए फिलीपींस, मालदीव के साथ संदर्भ शर्तों पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने फिलीपींस और मालदीव के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए संदर्भ की शर्तों पर हस्ताक्षर किए हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रस्तावित व्यापार समझौते के दायरे और तौर-तरीकों को संदर्भ की शर्तों (टीओआर) में रेखांकित किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश फिलीपींस के साथ तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) के लिए बातचीत शुरू होगी, जबकि मालदीव के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत होगी। पीटीए में दो व्यापारिक साझेदार आपस में व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की एक विशिष्ट संख्या पर आयात शुल्क को या तो काफी कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं। दूसरी ओर, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत दो देश आपसी व्यापार में अधिकांश वस्तुओं पर आयात शुल्क को काफी हद तक घटा देते हैं या समाप्त कर देते हैं। इसके साथ ही सेवाओं और निवेश को बढ़ावा देने के लिए नियमों को भी आसान बनाया जाता है। भारत का फिलीपींस को निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 3.11 प्रतिशत बढ़कर 2.16 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 17.8 प्रतिशत घटकर 1.17 अरब डॉलर रह गया।

राहुल ने नक्सल विरोधी अभियान में घायल हुए सीआरपीएफ जवान से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नक्सल विरोधी अभियान में घायल हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा बटालियन के जवान अजय मलिक से सोमवार को मुलाकात की और कहा कि उन्हें मलिक से बात करके उनके मनोबल और जज्बे को महसूस किया।

राहुल गांधी ने यहां आरके पुरम इलाके में मलिक के आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने फेसबुक पोस्ट किया, ' आज, आर.के. पुरम, नई दिल्ली में कोबरा बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट श्री अजय मलिक जी से मुलाकात की। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल होकर उन्होंने अपना एक पैर खो दिया। उनसे बातें कर उनका अदम्य साहस, अटूट मनोबल और अद्भुत जज़्बा महसूस किया।'' राहुल गांधी ने कहा, ''देश के प्रति उनकी सेवा और समर्पण को मेरा सलाम है। आशा करता हूं वो शीघ्र स्वस्थ हो जाएं।''

भारत ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय वार्ता नहीं की है : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने सोमवार को कहा कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से भारतीय ध्वज वाले जहाजों के सुरक्षित पारगमन को सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका के साथ द्विपक्षीय वार्ता नहीं की है। विदेश मंत्रालय की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस जलमार्ग को खुला रखने के लिए युद्धपोत भेजने के आह्वान की पृष्ठभूमि में आई है। ईरान द्वारा फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित एक संकरे समुद्री परिवहन मार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद वैश्विक तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। वैश्विक तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इस मार्ग से होकर गुजरता है। ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन समेत अन्य देश जो ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के प्रयास से प्रभावित हैं, वे समुद्री मार्ग को ''सुरक्षित और खुला'' रखने के लिए क्षेत्र में युद्धपोत भेजेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेसवार्ता में कहा, ''हमें इस बात की जानकारी है कि कई देशों में इस संबंधित मामले पर चर्चा हो रही है। हमने अभी तक (अमेरिका के साथ) द्विपक्षीय स्तर पर इस पर चर्चा नहीं की है।''

कमज़ोर वैश्विक संकेतों के बीच चांदी 9,000 रुपए लुढ़की, सोना 2,950 रुपए सस्ता हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को चांदी की कीमतें 9,000 रुपए लुढ़ककर 2.56 लाख रुपए प्रति किलोग्राम रह गईं, जबकि सोना 2,950 रुपए टूटकर 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। विश्लेषकों ने कहा कि कमज़ोर वैश्विक रुझानों और मज़बूत डॉलर ने कीमती धातुओं की कीमतों को प्रभावित किया।

चांदी 9,000 रुपए, या 3.4 प्रतिशत लुढ़ककर 2,56,500 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई, जो शुक्रवार के बंद भाव 2,65,500 रुपए प्रति किलोग्राम से कम है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने में लगातार तीसरे दिन गिरावट जारी रही और यह 2,950 रुपए या 1.81 प्रतिशत टूटकर 1,60,250 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया।

कारोबारियों ने सर्राफा कीमतों में गिरावट का कारण मुनाफावसूली और सुरक्षित निवेश की मांग के डॉलर और बॉन्ड की ओर मुड़ने को बताया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया हुआ है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''सोने की कीमतें फिलहाल नीचे आ रही हैं, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण बाज़ार में लंबे सौदों की तेज़ी से कटान की जा रही है। हम सुरक्षित निवेश की मांग में एक स्पष्ट बदलाव देख रहे हैं। निवेशक कीमती धातुओं से अपना पैसा निकालकर डॉलर और बॉन्ड में लगा रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि यह बदलाव इस उम्मीद से प्रेरित है कि वैश्विक केंद्रीय बैंक, अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति में आई बाधाओं से पैदा हुई महंगाई से निपटने के लिए ब्याज दरों में बदलाव को कुछ समय के लिए रोक देंगे। परमार ने बताया कि घरेलू बाज़ार में सोने और चांदी में अब तेज़ी का ज़ोर खत्म होता दिख रहा है, क्योंकि वित्त वर्ष के अंत से पहले बाज़ार में लंबे सौदों की अब कटान की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में भी सर्राफा कीमतें नीचे ही रहीं, जो घरेलू बाज़ार जैसे ही रुझान दिखा रही थीं। यहां हाज़िर सोना 5,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे फिसल गया, जबकि चांदी 80 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गई। सोना 20.94 डॉलर या 0.42 प्रतिशत गिरकर 4,998.31 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी 1.81, या 2.25 प्रतिशत टूटकर 78.76 डॉलर प्रति औंस रह गई।

कार्यवाही देखते छात्र

बेंगलूरु के विधान सौध में सोमवार को छात्रों के एक समूह ने कर्नाटक विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही देखी। यह शैक्षणिक भ्रमण छात्रों को संसदीय प्रक्रियाओं और राज्य के आर्थिक निर्णयों को करीब से समझने के लिए आयोजित किया गया था।

वक्फ संपत्ति पर अतिक्रमण, ज्यादातर मुसलमानों ने किया : मंत्री खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के वक्फ और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बी. जेड. जमीर अहमद खान ने सोमवार को विधानसभा में बताया कि राज्य में 17,969 एकड़ वक्फ संपत्ति पर अतिक्रमण किया गया है, जिसमें से अधिकांश अतिक्रमण मुसलमानों ने किया है। मंत्री प्रश्नकाल के दौरान अफजलपुर से कांग्रेस विधायक एम वाई पाटिल के एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

खान ने कहा, ''राज्य में कुल वक्फ संपत्ति 1,12,860 एकड़ है, जिसमें से केवल 20,054 एकड़ हमारे पास है। 17,969 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण हो चुका है, 47,263 एकड़ भूमि इनाम उन्मूलन अधिनियम के अंतर्गत आ चुकी है और 23,627 एकड़ भूमि सुधार अधिनियम के अंतर्गत आ चुकी है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने और उनके विभाग के मंत्री बनने के बाद अतिक्रमण हटाने के उद्देश्य से पूरे राज्य में वक्फ अदालतों का आयोजन किया गया।

मंत्री ने इस बात का विशेष उल्लेख किया कि वक्फ की 1,12,860 एकड़ भूमि सरकार द्वारा नहीं, बल्कि निजी व्यक्तियों और संगठनों द्वारा समुदाय के कल्याण के लिए दी गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ संपत्ति पर अतिक्रमण ज्यादातर स्वयं मुस्लिम समुदाय द्वारा किया जाता है, न कि मंदिरों या अन्य समुदायों द्वारा। उन्होंने कहा, वक्फ की जमीन पर अतिक्रमण दूसरों ने नहीं किया है, बल्कि खुद मुसलमानों ने किया है। इन अतिक्रमणों को हटाने के लिए वक्फ अदालतें आयोजित की गईं, लेकिन भाजपा ने इसे मुद्दा बना दिया। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के मुद्दों का समाधान किया जा रहा है।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि भाजपा की आपत्तियां वक्फ भूमि पर मुसलमानों द्वारा किए गए अतिक्रमणों को हटाने के बारे में नहीं हैं, बल्कि किसानों की भूमि, स्कूलों से संबंधित भूमि (जैसे जिस स्कूल में भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरय्या ने अध्ययन किया) और कुछ मामलों में मंदिरों से संबंधित भूमि आदि के वक्फ भूमि होने के दावे के बारे में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा वास्तव में वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण की जांच के पक्ष में है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार वक्फ संपत्ति होने का दावा करके किसी भी मंदिर या शैक्षणिक संस्थान पर कब्जा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, निजी लोगों (ज्यादातर मुस्लिमों) द्वारा किए गए अतिक्रमणों की पहचान करने के लिए वक्फ अदालतों ने सुनवाई की।

स्कूल न जाने के कारण कोई भी शिक्षा से वंचित न रहे : मधुबंगरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री एस. मधुबंगरप्पा ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की जाएगी कि उडुप्पी जिले के ब्रह्मवर तालुक के नीलवर ग्राम पंचायत क्षेत्र में कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न रहे। विधान परिषद सत्र के दौरान सदस्य मंजुनाथ भंडारी की पहचान के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि छात्र वर्तमान में कुंजालू स्थित विश्वकीर्ति प्राइवेट एडेड स्कूल में पढ़ रहे हैं। सरकार को उडुप्पी जिले के ब्रह्मवर तालुक के नीलवर ग्राम पंचायत में एक नया सरकारी स्कूल शुरू करने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और सरकार नियमों के अनुसार इसकी समीक्षा करेगी और कार्रवाई करेगी।

पिछले तीन वर्षों में कोई भी सरकारी प्राथमिक विद्यालय शुरू नहीं किया गया है। राज्य में कोई भी सरकारी प्राथमिक विद्यालय बंद नहीं किया गया है। छात्रों के नामांकन न होने के कारण इन्हें अस्थायी रूप से बंद किया गया है। उन्होंने कहा कि छात्रों का नामांकन फिर से शुरू होने पर उक्त विद्यालय दोबारा खोल दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की उपस्थिति और आवश्यक बुनियादी ढांचे की कमी के संबंध में संबंधित जिलों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर, योग्यता और प्राथमिकता के अनुसार एक कार्य योजना तैयार की जा रही है, और धन की उपलब्धता के अनुसार अनुमोदन मिलने के बाद बुनियादी ढांचा प्रदान किया जा रहा है। राज्य क्षेत्र अनुदान और व्यापक शिक्षा-कर्नाटक योजना के तहत, नए स्कूल कक्षों का निर्माण, स्कूल कक्षों की मरम्मत, स्कूल शौचालयों का निर्माण और रखरखाव, स्कूलों को फर्नीचर की आपूर्ति, कंप्यूटर प्रयोगशालाओं की स्थापना, स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना, स्वच्छ पेयजल और बुनियादी ढांचे का प्रावधान किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में, 1977 नए स्कूल कक्षाओं के निर्माण के लिए 33,682.95 लाख रुपये, 7,293 स्कूल कमरों की मरम्मत के लिए 9,688.89 लाख रुपये और लड़कियों और लड़कों के लिए कुल 3,164 शौचालयों के निर्माण के लिए 6328.00 लाख रुपये का अनुदान जारी किया गया है। वर्ष 2025 के 26वें वर्ष में, मौजूदा 29 केपीएस स्कूलों में अतिरिक्त कक्षाएँ और विज्ञान प्रयोगशाला कक्षों का निर्माण किया जाएगा। इन कक्षों के नवीनीकरण और शौचालयों के निर्माण पर 20.00 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसके लिए अनुदान प्रदान किया जाएगा। सरकारी प्राथमिक और उच्च विद्यालयों को 3532.16 लाख रुपये की लागत से 53685 डेस्क उपलब्ध कराए जाएंगे।

वर्ष 2025-26 के बजट घोषणा के अनुसार, 250 स्कूलों में 508.00 लाख रुपये की लागत से विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं और 218 स्कूलों में 1968.72 लाख रुपये की लागत से कंप्यूटर प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं।

कर्नाटक की व्यापक शिक्षा योजना के तहत, 854 सरकारी स्कूलों में 4429.20 लाख रुपये की लागत से कंप्यूटर लैब स्थापित की जा रही हैं और 3862 स्कूलों में 9154.80 लाख रुपये की लागत से स्मार्ट क्लास स्थापित की जा रही हैं। मंत्री ने सदन को सूचित किया कि सरकारी स्कूलों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है और वह अनुमोदन के चरण में है।

राज्य में 1715 एम्बुलेंस कार्यरत हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरणप्रकाश आर. पाटिल ने बताया कि राज्य में कुल 1,715 एम्बुलेंस कार्यरत हैं, जिनमें से 1,000 एम्बुलेंस राज्य के अंतर्गत और 108 स्वास्थ्य बीमा सेवा के तहत 715 एम्बुलेंस हैं। इन एम्बुलेंस का वितरण जिलावार किया गया है। सोमवार को विधान परिषद सत्र में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की ओर से पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रति 5 लाख लोगों पर एक एएलएस एम्बुलेंस और प्रति 1 लाख लोगों पर एक बीएलएस एम्बुलेंस तैनात की जानी चाहिए। इसके अनुसार, राज्य की जनसंख्या के हिसाब से लगभग 820 एम्बुलेंस की आवश्यकता है।

कुल मिलाकर, राज्य में 1715 एम्बुलेंस सेवाएं प्रदान कर रही हैं, जिनमें से 895 एम्बुलेंस निर्धारित मानदंडों से अधिक कार्यरत हैं। यह स्पष्ट किया गया कि राज्य में एम्बुलेंस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि दूरदराज के इलाकों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, तालुक अस्पतालों, जिला अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एम्बुलेंस तैनात की गई हैं, जो आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

पुलिस मुठभेड़ में कुख्यात अपराधी मारा गया

चेन्नई। चेन्नई के माधवराम इलाके में सोमवार तड़के पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक कुख्यात अपराधी मारा गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह कुख्यात अपराधी कथित तौर पर हत्या के पांच मामलों सहित 30 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल था। मृतक की पहचान थोप्पई गणेशन के रूप में हुई है जो हाल ही में हुई 25 लाख रुपये की एक बड़ी डकैती मामले में मुख्य संदिग्ध था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मुठभेड़ सुबह करीब 5:45 बजे माधवराम के चिन्ना गोलचक्कर के पास हुई। लूटपाट मामले की जांच कर रही एक विशेष टीम गणेशन की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पुलिस टीम ने उसे गोलचक्कर के पास घेर लिया, लेकिन संदिग्ध भागने की कोशिश करने लगा।

विधानसभा उपचुनाव 9 अप्रैल को

बेंगलूरु। कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों, अर्थात बागलकोट (24) और दावणगेरे दक्षिण (107) के उपचुनावों का कार्यक्रम की घोषणा भारत निर्वाचन आयोग ने कर दी है। बागलकोट सीट पर एचवाई मेटी और दावणगेरे दक्षिण सीट पर शमनूर शिवशंकरप्पा दो वरिष्ठ विधायकों की मृत्यु के कारण उपचुनाव कराए जा रहे हैं। इस चुनाव की अधिसूचना 16 मार्च को प्रकाशित हुई, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 मार्च है, मतदान की तिथि 09 अप्रैल है और मतों की गिनती और परिणाम 04 मई को घोषित किए जाएंगे।

बागलकोट में कुल 2,59,260 मतदाता हैं। इनमें पुरुष 1,26,761, महिलाएं 1,32,476 और अन्य 23 हैं, जिनमें से 4,188 युवा मतदाता और 38 वरिष्ठ मतदाता हैं जिनकी आयु 100 वर्ष से अधिक है। दावणगेरे दक्षिण में कुल 2,31,683 मतदाता हैं। इनमें से 1,13,654 पुरुष, 1,17,986 महिलाएं, 43 अन्य वर्ग के मतदाता हैं। इनमें से 2,774 युवा मतदाता और 44 वरिष्ठ नागरिक हैं जिनकी आयु 100 वर्ष से अधिक है। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 5,151 दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी) मतदाताओं की पहचान की गई है।

होर्डिंग्स को विनियमित करने और विज्ञापन शुल्क संबंधी विधेयक को मंजूरी

बेंगलूरु।)कर्नाटक विधानसभा ने 'आउटडोर' विज्ञापनों को विनियमित करने और नगर निकायों को होर्डिंग्स तथा बिलबोर्ड लगाने वालों से शुल्क वसूलने का अधिकार देने संबंधी एक संशोधन विधेयक को सोमवार को मंजूरी दे दी। शहरी विकास और नगर नियोजन मंत्री बीएस सुरेश द्वारा पेश किए जाने के बाद कर्नाटक विधानसभा ने कर्नाटक नगरपालिका और कुछ अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी। इस विधेयक में नगर परिषदों और निगमों को नगर निगम की सीमा के भीतर भूमि, भवन, दीवारों, होर्डिंग्स या अन्य संरचनाओं पर विज्ञापन लगाने पर इसे लगाने वालों से विज्ञापन शुल्क वसूलने का अधिकार देने का प्रावधान है। यह शुल्क स्थानीय निकायों द्वारा एक प्रस्ताव के माध्यम से निर्धारित किया जाएगा, जो राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम और अधिकतम दरों के अधीन होगा। विधेयक में हालांकि नगरपालिकाओं या निगमों की सार्वजनिक बैठकों, विधायी निकायों के चुनावों और ऐसे चुनावों में उम्मीदवारी से संबंधित विज्ञापनों के लिए छूट का प्रावधान है।

विधेयक में यह भी अनिवार्य किया गया है कि किसी भी नगरपालिका क्षेत्र में विज्ञापन लगाने के लिए संबंधित नगरपालिका परिषद या निगम आयुक्त से निर्धारित शुल्क का भुगतान करने के बाद लिखित अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: 50 UBL 2025-26
दिनांक: 12.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हुबली विभाग पर 32 पाईप लाईन पुलों को आरसीसी सेगमेंटल बॉक्स से प्रतिस्थापित करने का कार्य के संबंध में सिग्नल व दूरसंचार कार्य। (होसपेटे - बल्लारी (एचपीटी-बीएवाय) - 5 नं., होसपेटे - व्यासा कॉलोनी - स्वामीहल्ली (एचपीटी-वीसी-एसएमएलआई) - 21 नं., बल्लारी - रायदुर्गा (बीएवाय-आरडीजी) - 6 नं.)	रु. 84,34,951.94

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
13.04.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर/हुबली

PUB/998/AAMO/PRB/SWR/2025-26

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। **रेलओन** इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और **3%** तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

सरकार के अपर्याप्त जवाबों से नाराज विधानसभा अध्यक्ष सदन स्थगित कर बाहर चले गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधायकों के सवालों के जवाब नहीं मिलने से नाराज कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू टी खादर ने सोमवार को सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी और बाहर चले गए। उन्होंने कहा कि जब तक संबंधित मंत्री और सचिव स्पष्टीकरण नहीं देंगे, तब तक वह सदन नहीं चलाएंगे। अध्यक्ष के इस कदम को कई विधायकों ने अभूतपूर्व बताया। उन्होंने यह कदम तब उठाया जब गृह मंत्री जी परमेश्वर ने 230 अतारांकित प्रश्नों के मुकाबले केवल 84 लिखित उत्तर प्रस्तुत किए।

खादर ने विधायकों के कुछ ही सवालों का जवाब देने के सरकार के रवैये पर शुक्रवार को कड़ी आपत्ति जताई थी। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा था कि उनकी विनम्रता को कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। पिछले सप्ताह, खादर ने कई-बार, हालांकि नरम लहजे में सरकार से विधायकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। परमेश्वर द्वारा लिखित उत्तर प्रस्तुत करते ही, नेता प्रतिपक्ष आर अशोक सहित विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने अध्यक्ष को बताया कि बार-बार चेताने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है, जबकि गृह मंत्री ने दावा किया कि थोड़ा सुधार हुआ है।

अशोक ने अध्यक्ष से कार्रवाई की मांग करते हुए कहा, 50 प्रतिशत सवालों के भी जवाब नहीं दिए गए। आप (अध्यक्ष) इन्हें (सरकार को) चार बार चेतावनी दे चुके हैं, पांचवीं बार दीजिए। इसे रिकॉर्ड में दर्ज होने दीजिए। यह सरकार खत्म हो चुकी है... चेतावनियों के बावजूद इनमें कोई सुधार नहीं हुआ है। अधिकारी भगवान की तरह आते हैं, भगवान की तरह घर जाते हैं।

खादर ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने आसन से चार बार स्पष्ट आदेश जारी किए थे। उन्होंने कहा, यह सदन

मंत्रियों के लिए नहीं है। यह सत्र विधायकों के लिए आयोजित किया जाता है, और यह उनके लिए हर तीन महीने में एक बार अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए होता है। खादर ने कहा, सभी दलों के विधायक प्रश्न पूछते हैं। उनमें से केवल 15 प्रश्न ही प्रतिदिन 'तारांकित' (सदन में उत्तर दिए जाने वाले प्रश्न) होते हैं। यदि शेष (अतारांकित) प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया जाता है, तो उन्हें (विधायकों को) इस सदन में आने की क्या आवश्यकता है?

पूछे गए सवालों के उचित जवाब न मिलने की ओर इशारा करते हुए अध्यक्ष ने कहा, अध्यक्ष द्वारा चार बार स्पष्ट आदेश दिए जाने के बावजूद सुधार के कोई संकेत नहीं हैं।

हम इस सदन को कैसे चलाएंगे? उन्होंने सदन को स्थगित करने और बाहर चले जाने से पहले कहा, इसलिए, जब तक संबंधित मंत्री और सचिव उचित स्पष्टीकरण नहीं देते, मैं इस सदन को नहीं चलाऊंगा। बाद में, जब सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, तो अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, वरिष्ठ मंत्री, मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक हुई, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि विधायकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए जाएं और उचित कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर अपना जवाब देगी, और इसी के साथ उन्होंने सदन को दोपहर के भोजन के लिए स्थगित कर दिया।

विज्ञापन संख्या : 02/2026

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
56-57, संस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 वेबसाइट : www.sanskrit.nic.in

भर्ती की अधिसूचना

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के द्वारा विभिन्न **गैर-शैक्षणिक (Non-Teaching)** पदों (**कुलसचिव-01, सहायक कुलसचिव-02, सिस्टम एनालिस्ट-03, अनुभाग अधिकारी-11, नर्सिंग ऑफिसर-03, सहायक-10, गेस्ट हाउस मैनेजर-03, कनिष्ठ अभियंता-03, निजी सहायक-03, प्रोफेशनल असिस्टेंट-04, तकनीकी सहायक (शिक्षाशास्त्र/एडुकेशन लैब)-03, तकनीकी सहायक (कंप्यूटर लैब)-04, आशुलिपिक-08, उच्च श्रेणी लिपिक-16, पुस्तकालय सहायक-01, कनिष्ठ श्रेणी लिपिक-35, चालक-01, मल्टी-टास्किंग स्टाफ-22, पुस्तकालय परिचारक-08 तथा मेडिकल अटेंडेंट/ड्रेसर-03**) पर भर्ती के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन पत्र आमंत्रित करता है। उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, भर्ती प्रक्रिया, रिक्तियों का विवरण, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा योजना, चयन प्रक्रिया और अन्य आवश्यक विस्तृत विवरण विज्ञापन संख्या 02/2026 में उपलब्ध हैं जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.sanskrit.nic.in** पर **"Recruitment/Notification"** शीर्षक के अंतर्गत **16.03.2026** में देखा जा सकता है। सभी इच्छुक उम्मीदवारों को सख्त सलाह दी जाती है कि वे आवेदन भरने से पहले विस्तृत विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

दिनांक : 16.03.2026

हस्ता./-
कुलसचिव (प्रभारी)

CBC 21212/12/0007/2526

दक्षिण पश्चिम रेलवे

अधिसूचना सं.03/2025-26/HVS/CH/UBL दिनांक: 10.03.2026

दक्षिण पश्चिम रेलवे, हुबली में केंद्रीय आस्पताल पर ऑनरेरी विज़िटिंग स्पेशलिस्ट के पदों के लिए निम्नलिखित विशेषताओं में नियुक्ती की तारीख से एक साल के अवधि के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को बुलाया जाता है।

क्र. सं.	विशेषता	वर्ग	हफ़्ते में दिनों की संख्या	हर विज़िट में घंटे	हर महीने दिया जाने वाला ऑनरेरियम
01	डीएम/पल्मोनोलॉजी या एमडी/पल्मोनोलॉजी	सुपर स्पेशलिस्ट	6 दिन/हफ़्ता	02:00 घंटे	रु. 82,000/- प्रति महिने
		स्पेशलिस्ट	6 दिन/हफ़्ता	02:00 घंटे	रु. 67,000/- प्रति महिने
02	गायनेकोलॉजी	स्पेशलिस्ट	6 दिन/हफ़्ता	04:00 घंटे	रु. 1,00,000/- प्रति महिने

इच्छुक उम्मीदवारों ने निम्नलिखित में सब भरना होगा:

1.	योग्यता/अनुभव	पीजी डिग्री के साथ तीन साल का अनुभव या पीजी डिप्लोमा के साथ पांच साल का अनुभव
2.	आयु सीमा	30 से 64 साल के बीच
3.	अगर कोई सलाहकार अभी सरकारी/क्वासी सरकारी संस्था में काम कर रहा है, तो उन्हें आवेदन के साथ संबंधित संस्था से एनओसी जमा करनी होगी।	

आवेदन 21.04.2026 को शाम 06.00 बजे तक नीचे हस्ताक्षर करने वाले को जमा करने हैं या **mdchubl@swr.railnet.gov.in** पर मेल कर सकते हैं। ज़्यादा जानकारी के लिए नीचे हस्ताक्षर करने वाले के कार्यालय में सभी काम के दिनों में सुबह 10.00 बजे से शाम 6.00 बजे के बीच संपर्क करें या हमारी वेबसाइट **www.swrindiarailways.gov.in** पर जाएं।

आयु, योग्यता, अनुभव आदि के समर्थन में प्रमाणपत्रों की प्रतियों का विवरण स्व-प्रमाणीकरण (self attestation) के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।

चयन जमा किए गए दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा और कोई साक्षात्कार (इंटरव्यू) आयोजित नहीं किया जाएगा।

योग्यता निर्धारण से संबंधित किसी भी निर्देश/शर्तों की व्याख्या में किसी भी अस्पष्टता के मामले में, प्रबंध निदेशक/सेंट्रल हॉस्पिटल/हुबली का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

वैद्यकीय निदेशक, केंद्रीय आस्पताल, हुबली

PUB/995/AAMO/PRB/SWR/2025-26

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। **रेलओन** इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और **3%** तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

मुलाकात

बेंगलूरु। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। भारतीय सशस्त्र बलों, सिविल सेवाओं और मित्र देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में आए इस प्रतिनिधिमंडल में ब्रिगेडियर और समकक्ष रैंक के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

निर्धारित समय के भीतर उत्तर न देने वाले अधिकारियों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

बेंगलूरु। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि विधानसभा में लिखित प्रश्नों के उत्तरों की संख्या कम की जा रही है। यह देखा गया है कि कई विभाग अपेक्षित संख्या में उत्तर नहीं दे रहे हैं। इस संबंध में एक बैठक बुलाई जाएगी और ऐसे अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। हमें पता चला है कि आज के विधानसभा सत्र में विपक्ष के नेता आर. अशोक और विधायक एस. सुरेश कुमार ने लिखित में दिए जाने वाले प्रश्नों के निर्धारित उत्तर नहीं दिए हैं। पिछले चार-पाँच विधानसभा सत्रों में अध्यक्ष से इस संबंध में ध्यान देने का अनुरोध किया गया था, लेकिन निर्धारित संख्या में उत्तर प्राप्त नहीं हुए हैं। अध्यक्ष ने सदन से इस संबंध में निर्देश देने का अनुरोध किया है। सोमवार की कार्यवाही में अपेक्षित संख्या में उत्तर प्राप्त न होने के मद्देनजर, सदन में पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिखित उत्तर देना मंत्रियों और विभाग के अधिकारियों का प्राथमिक कर्तव्य है। डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि अध्यक्ष ने सदन को यह कहते हुए स्थगित कर दिया कि यह एक गंभीर मामला है और इस पर चर्चा आवश्यक है। सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया और तुरंत अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, सरकारी सचिवों और विपक्ष के नेता के साथ बैठक बुलाई।

राजस्थान की विकास यात्रा में जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज अपनी समृद्ध परंपरा, विशिष्ट संस्कृति तथा प्रकृति के साथ गहरे संबंध के लिए प्रसिद्ध है। इस समाज ने ऐसे वीर सपूत दिए हैं, जिन्होंने आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। देश-प्रदेश का विकास इनकी सक्रिय भागीदारी से ही संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी के तहत राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में यह दिन आदिवासियों को समर्पित है। इन्होंने राजस्थान की इस विकास यात्रा में अतुलनीय योगदान दिया है।

शर्मा सोमवार को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 30 मार्च 1949 को भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग में वृहद राजस्थान की स्थापना हुई थी। हमारी सरकार ने चौत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही राजस्थान दिवस मनाने का निश्चय किया था। इसीलिए इस वर्ष 19 मार्च के दिन प्रदेशभर में इस दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेणेश्वर धाम की ऐतिहासिक भूमि आदिवासी आस्था का सबसे बड़ा केन्द्र है। राज्य सरकार द्वारा बेणेश्वर धाम के सौंदर्यीकरण का कार्य करवाया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज ने अपनी आजादी से कभी समझौता नहीं किया। भगवान बिरसा मुंडा ने महज 25 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों के शोषण के विरुद्ध संघर्ष की अलख जगाई। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पिछले वर्ष बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश में जनजातीय गौरव वर्ष मनाया। उन्होंने कहा कि हमारा हस्तशिल्प जनजातीय स्वाभिमान की अभिव्यक्ति है। पिथोरा चित्रकला, बांस की बुनाई, मिट्टी के बर्तन, लकड़ी की नक्काशी आदि सभी हमारी अनमोल सांस्कृतिक विरासत हैं। हमारी सरकार का प्रयास है कि इन सभी कलाओं को सम्मान मिले और कलाकारों को इनका उचित मूल्य मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में जनजाति उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। छात्रावासों में मैस भत्ता ढाई हजार से बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रति माह किया है। साथ ही, खेल अकादमियों में मैस भत्ते में बढ़ोतरी, कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले जनजाति विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि, सीए व सीएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले जनजातीय विद्यार्थियों की प्रोत्साहन राशि में वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि 244 नए मां-बाड़ी केंद्रों की स्थापना की गई है तथा जनजाति किसानों को मुफ्त संकर मक्का बीज एवं मिनिकिट का वितरित किया गया है। इसी तरह प्रदेश के 8 जिलों में 530 वन धन विकास केंद्रों का गठन कर डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जनजाति समाज के खिलाड़ियों ने एशियन लेक्रोस गेम्स, राष्ट्रीय लेक्रोस चौंपियनशिप सहित विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में पदक जीते हैं।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने इस वर्ष के बजट में जनजातीय समाज के सशक्तीकरण के लिए अनेक घोषणाएं की हैं। वनों में निवास करने वाले जनजाति लोगों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकार के पट्टे दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इन वन अधिकार पट्टों की राजस्व रिकॉर्ड में भी प्रविष्टि सुनिश्चित की जाएगी, ताकि वे इस भूमि पर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें और बैंकों से ऋण भी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि बेणेश्वर धाम में संगम एवं अबूदरा घाटों के निर्माण एवं वर्ष पर्यन्त जल की उपलब्धता बनाये रखने के लिए बेणेश्वर एनिकट की रिमॉडलिंग के कार्य किए जाएंगे। इसी तरह, आदिवासी बाहुल्य जिलों के ऐतिहासिक, धार्मिक स्थलों त्रिपुर सुंदरी, मानगढ़धाम, बेणेश्वरधाम, सीतामाता अभ्यारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर, मातृ कुण्डिया आदि को सम्मिलित करते हुए 100 करोड़ रुपये से ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट भी विकसित किया जाएगा। जनजातीय क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गरीब को केंद्र में रखकर उनके उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। विकास और जनकल्याण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आदिवासियों के तीर्थ बेणेश्वर धाम का सर्वांगीण विकास होगा।मुख्यमंत्री ने इस दौरान बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर एवं सिरोही जिले के 1 हजार 902 करोड़ रुपये के 326 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। शर्मा ने लखपति दीदी सम्मान योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली लखपति दीदियों को सांकेतिक चौक और टेबलेट सौंपे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परिसर में आयोजित विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया एवं बालिकाओं को स्कूटी भी वितरित की।

'जातिवाद' सामाजिक ढांचे को कमजोर और राष्ट्र को विभाजित करता है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि धर्म समाज में एकजुटता की शक्ति होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक प्रमुख वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है। योगी ने जालोर के सिरे मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जाति व्यवस्था समाज को संगठित करने के लिए है लेकिन जातिवाद सामाजिक ढांचे को कमजोर करता है और राष्ट्र को विभाजित करता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारें जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर समाज को बांटने में विश्वास करती थीं, जिससे देश कमजोर हुआ और कश्मीर अशांति, नक्सलवाद, भाषाई विवाद व जातीय संघर्ष जैसी समस्याएं उत्पन्न हुईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक प्रमुख वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व ने देश को एकजुट किया है और कश्मीर व नक्सलवाद जैसी समस्याओं का समाधान करने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। योगी ने कहा कि साथ ही मौजूदा शासन में यह सुनिश्चित किया गया कि कल्याणकारी योजनाएं बिना भेदभाव के लोगों तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि सरकार ने देशभर में बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया है, जहां पहले सड़कें नहीं थीं, वहां अच्छी सड़कें बनीं, रेलवे संपर्क का विस्तार हुआ और हवाई अड्डे, मेट्रो सेवाएं, चिकित्सा संस्थान व इंजीनियरिंग कॉलेज ऐसे क्षेत्रों में स्थापित किए गए जहां पहले इनकी कमी थी।

योगी ने पूर्व की केंद्र सरकारों को निशाना बनाते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने भारत की आध्यात्मिक परंपराओं को पिछड़ा समझा जबकि वर्तमान नेतृत्व ने यह मान्यता दी कि देश का विश्वास सनातन धर्म से गहरे रूप से जुड़ा है और समाज आस्था के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दशकों पहले बन सकता था लेकिन पिछली सरकारों ने कोई कदम नहीं उठाया और राम मंदिर अब भव्य रूप से निर्माणाधीन है, जो संकल्प और एकता का प्रतीक है।

योगी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास का भी उल्लेख किया और कहा कि पहले एक समय में केवल सीमित संख्या में श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर सकते थे लेकिन अब हजारों लोग एक साथ दर्शन कर सकते हैं। उन्होंने मथुरा व वृंदावन जैसे धार्मिक स्थलों पर भी सुधार कार्यों का जिक्र किया और कहा कि भारत का आत्मबल ऋषि-मुनियों की साधनाओं, योद्धाओं की वीरता, किसानों की मेहनत और श्रमिकों के श्रम से मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने दहेज, बहुपत्नी प्रथा व बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने का आह्वान किया और राष्ट्र की प्रगति के लिए सभी से ईमानदारी से काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत ने विदेशी आक्रमणकारियों के हमलों को सहा और आंतरिक विभाजनों के कारण ही वे सफल हुए।

टीकाकरण की दर बढ़कर 91.8 प्रतिशत हुई : गजेन्द्र सिंह

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने सोमवार को दावा किया कभी बीमारू कहे जाने वाले राज्य ने टीकाकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है और 2024-25 में टीकाकरण की दर बढ़कर 91.8 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो तीन दशक पहले मात्र 21 प्रतिशत थी। खींवसर ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर तेजी से कम होकर राष्ट्रीय औसत की तुलना में बेहतर स्थिति में पहुंच गई है।

उन्होंने बताया कि टीकाकरण कार्यक्रम के तहत जन्म से 16 वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को विभिन्न टीकों के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। खींवसर ने बताया कि राजस्थान में वर्ष 1992-93 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक पूर्ण टीकाकरण का प्रतिशत मात्र 21.1 था, जो एनएफएचएस सर्वे 2020-21 तक बढ़कर 80.4 प्रतिशत हो गया। उन्होंने कहा कि आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में यह दर 91.8 प्रतिशत रही। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने पत्रकारों को बताया कि राज्य में ऐसी बीमारियों से बच्चों को बचाने के लिए 10 प्रकार के टीके लगाए जाते हैं, जो टीकाकरण के माध्यम से रोकी जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि इन टीकों से लगभग 11 गंभीर बीमारियों से सुरक्षा मिलती है। उन्होंने कहा कि इनमें बीसीजी, हेपेटाइटिस-बी, पेंटावेलेंट, पोलियो, रोटा वायरस, पीसीवी, खसरा-रूबेला, आईपीवी, डीपीटी बूस्टर तथा टीडी टीके शामिल हैं जबकि गर्भवती महिलाओं को भी टिटनेस और डिप्थीरिया से बचाव के लिए टीडी का टीका लगाया जाता है।

दिल्ली दौरे पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, केंद्रीय मंत्रियों से की अहम मुलाकातें, राजस्थान के विकास पर हुई विस्तृत चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को नई दिल्ली में विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं से शिष्टाचार भेंट कर राजस्थान के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान प्रदेश में सड़क, रेल, पर्यटन, न्यायिक और सामाजिक अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राजस्थान में सड़क अवसंरचना को मजबूत करने, राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार और बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से प्रदेश के विकास को गति देने पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस दौरान राजस्थान के सर्वांगीण विकास, राज्य में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ बैठक कर राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाओं, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन के विस्तार, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण तथा पर्यटन से जुड़े विकास कार्यक्रमों को और अधिक सशक्त बनाने पर विचार-विमर्श किया। बैठक में राजस्थान पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश में रेल कनेक्टिविटी को और अधिक सुदृढ़ करने तथा नागरिकों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के विषय पर चर्चा हुई। साथ ही उन्होंने अपने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में दादी का फाटक, खिरनी फाटक और ढेहर के बालाजी फाटक पर पैदल यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा के लिए फुट ओवर ब्रिज निर्माण तथा ढेहर के बालाजी रेलवे स्टेशन के दूसरी ओर अतिरिक्त प्रवेश द्वार और टिकट खिड़की विकसित करने का आग्रह किया।

वही उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट कर राजस्थान में न्यायिक अवसंरचना के विकास और आमजन को सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के प्रयासों पर चर्चा की। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात कर महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण तथा महिलाओं और बच्चों के विकास से जुड़ी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया।

भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नारी शक्ति की अहम भूमिका : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राजीविका मिशन के तहत ''लखपति दीदी योजना'' का विस्तार किया है। अब महिलाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज पर एक लाख रुपये का लोन मिल रहा है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण देश का आर्थिक आधार है। विकसित भारत/2047 को पूरा करने के लिए भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नारी शक्ति की भूमिका बहुत अहम है। महिला सशक्तिकरण की हमारी योजनाओं से उनके जीवन में नया बदलाव आ रहा है।

चौधरी राजसखी मेला-2026 के तहत आयोजित कार्यक्रम में सोमवार को टोंक जिला में राजीविका की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 8 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के चैक वितरित किए।

चौधरी ने जिले में राजीविका की महिलाओं को आर्थिक मजबूती देने के लिए जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल द्वारा किए गए नवाचार ''डीएम विद दीदीज'' की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय पर राजीविका मार्ट का कॉंसेप्ट, कल्याण जी मंदिर डिग्गी में महिलाओं की आजीविका वृद्धि के लिए दुकान उपलब्ध कराने से लखपति दीदी के उत्पादों को व्यापक बाजार और आय के नये अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने इसके लिए अपनी और से 50 लाख रुपये की घोषणा की।

कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने राज सखी मेले में राजीविका के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई स्टॉल का अवलोकन किया। साथ ही महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि उनके द्वारा निर्मित उत्पाद दिल से रची हाथों से सजी कला का बेहतरीन उदाहरण दिया। उन्होंने इस कला से ज्यादा से ज्यादा राजीविका की महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए कहा, ताकि अन्य महिलाए भी समूह से जुड़कर आगे बढ़ सके। इस दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूह को महिला निधि बैंक से 1.5 प्रतिशत की ब्याज दर पर कार्य की सुगमता के लिए खरीदी गई स्कूटी की चाबी सौंपी।

कई हिस्सों में हल्की बारिश, इस हफ्ते नया विक्षोभ सक्रिय होगा

जयपुर। राजस्थान के कुछ भागों में पिछले 24 घंटों में हल्की बारिश होने से तापमान में दो-चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई। यहां मौसम केंद्र ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि राज्य में एक नया पश्चिमी विक्षोभ इस सप्ताह सक्रिय होगा जिसके असर से कहीं-कहीं बारिश होने एवं आंधी चलने की संभावना है। मौसम केंद्र के अनुसार पिछले 24 घंटों में भी राज्य के कुछ भागों में बादल गरजने के साथ हल्की बारिश हुई, फलस्वरूप पारा दो-चार डिग्री सेल्सियस लुढ़क गया। मौसम केंद्र के मुताबिक अधिकतम तापमान चित्तौडगढ़ में 38.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान फतेहपुर (सीकर) में 11.7 डिग्री दर्ज किया गया।उसका कहना है कि 16-17 मार्च को राज्य में मौसम शुष्क रहने की प्रबल संभावना है जबकि 18-21 मार्च के दौरान एक और नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा।

मुलाकात

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के बीच राजस्थान में एनईपी-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, अंतरराष्ट्रीय भाषाओं के शिक्षण द्वारा युवाओं को नवीन रोजगारपरक शिक्षा सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन सरकार 'शिक्षित प्रदेश-उन्नत प्रदेश' एवं युवाओं को अवसर प्रदान करने के संकल्प के साथ निरंतर अग्रसर है।

घरेलू गैस सिलेंडर आपूर्ति के संबंध में अनियमितता बरतने वाली एजेंसीयों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई को लेकर किया आश्वस्त

जयपुर/दक्षिण भारत । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा आमजन को घरेलू गैस सिलेंडर आपूर्ति में किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित निराकरण करने के दिशा निर्देशों के क्रियान्वयन के क्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने सोमवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का दौरा कर परिवादियों से फोन पर सीधे संवाद किया। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार उन्होंने परिवादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने डीडवाना कुचामन के परबतसर से तुक्कारम एवं सुरेश काला, सीकर से देवेन्द्र एवं कानाराम, बालोतरा से भोमाराम, किशनगढ़ (अजमेर) से संजय, सिणधरी से कानाराम, साहवा से अमर चंद एवं देवदास, सूरतगढ़ से राजेंद्र कुमार एवं हनुमान प्रसाद, कोटपुतली बहरोड़ से सुनील कुमावत एवं केकड़ी के लक्ष्मण से 181 हेल्पलाइन पर बात कर उनकी शिकायतें सुनी तथा त्वरित समाधान हेतु आश्वस्त किया। इस दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने परिवादियों से उनके क्षेत्रों में घरेलू गैस सिलेंडर आपूर्ति की स्थिति के बारे में जानकारी ली एवं प्रदेश में घरेलू रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता को लेकर आश्वस्त किया। उन्होंने घरेलू गैस सिलेंडर आपूर्ति में अनियमितता बरतने वाली गैस एजेंसियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

केवल परिवार और रिश्तेदारों के बारे में सोचती थी सपा सरकार : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि वर्ष 2017 से पहले राज्य में जो सरकार थी वह केवल परिवार और रिश्तेदारों के बारे में सोचती थी।

मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों के कुल 90 हजार परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2 की पहली किस्त वितरित करने के सिलसिले में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि साल 2017 में राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली सरकार बनने से पहले से पहले प्रदेश सरकार गरीबों को घर का लाभ नहीं दे रही थी। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं था कि प्रधानमंत्री ने घोषणा न की हो लेकिन प्रदेश सरकार में इच्छा शक्ति नहीं थी। जब व्यक्ति स्वार्थ में डूबा होता है तो उसकी संवेदना मर जाती है। परमार्थ से उसका संबंध दूर–दूर तक नहीं रह जाता और वह केवल अपने और अपने परिवार के बारे में सोचता है।

आदित्यनाथ ने आरोप लगाते हुए कहा, वर्ष 2017 से पहले राज्य में जो सरकार थी, वह केवल अपने बारे में सोचती थी, एक परिवार के बारे में सोचती थी, अपने रिश्तेदारों के बारे में सोचती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में जब उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनी तो उसके लिए राज्य की 25 करोड़ की आबादी ही उसका परिवार हो गया। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ प्रदेश के हर पात्र व्यक्ति को मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना– शहरी 2 के तहत पहली किस्त पाने वाले सभी 90 हजार परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना एक घर हो और इस योजना के तहत अब तक देश में 62 लाख परिवारों को उनका पक्का मकान दिया जा चुका है।

निर्वाचन आयोग ने ममता बनर्जी के प्रशासन में शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को हटाया

कोलकाता/नई दिल्ली/भाषा। प. बंगाल के प्रशासनिक इतिहास में अभूतपूर्व कदम उठाते हुए निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के शीर्ष नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को हटा दिया, जिनमें मुख्य सचिव और डीजीपी भी शामिल हैं। विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा रविवार को होने के कुछ घंटों बाद ही फेरबदल का फैसला लिया गया।

रविवार देर शाम जारी आयोग के पहले आदेश के तहत राज्य के दो शीर्ष नौकरशाह मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को हटा दिया गया। इसके बाद 16 मार्च के एक अन्य आदेश में राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पीयूष पांडे और कोलकाता पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार को भी पद से हटा दिया गया। वे बंगाल में चुनाव से पहले बदले गए भारतीय पुलिस सेवा के चार शीर्ष अधिकारियों में शामिल हैं। आयोग ने 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और राज्य के उत्तर बंगाल विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला को राज्य का मुख्य सचिव नियुक्त किया। आयोग ने 1997 बैच की आईएएस अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव संघमित्रा घोष को प. बंगाल का गृह सचिव नियुक्त करने का आदेश दिया। आयोग ने 1992 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सिद्ध नाथ गुप्ता को पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया और अजय कुमार नंद (आईपीएस–1996) को कोलकाता पुलिस का नया आयुक्त बनाया।

त्रिपुरा विधानसभा में 34,212.31 करोड़ रुपए का बजट पेश, नए कर का प्रस्ताव नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के वित्त मंत्री प्रणजीत सिंघा रॉय ने सोमवार को वित्त वर्ष 2026–27 के लिए 34,212.31 करोड़ रुपए का बजट पेश किया जिसमें किसी नए कर का प्रस्ताव नहीं रखा गया है।

बजट में बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल बदलाव और ग्रामीण रोजगार पर विशेष बल दिया गया है। यह बजट पिछले साल के 32,423 करोड़ रुपए के बजट अनुमान की तुलना में 5.52 प्रतिशत अधिक है।

हालांकि कुल बजट आकार बढ़ने के बावजूद 240.72 करोड़ रुपए के घाटे का अनुमान लगाया गया है।

बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए रॉय ने 8,945.92 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय का प्रस्ताव रखा जो एक साल पहले के मुकाबले 13.19 प्रतिशत अधिक है।

त्रिपुरा के वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट टिकाऊ आर्थिक वृद्धि की मजबूत नींव रखता है। बजट में बुनियादी ढांचे, डिजिटल बदलाव, ग्रामीण रोजगार और संपर्क सुविधा के विकास पर दिया गया है, ताकि 2047 तक 'विकसित त्रिपुरा' का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कोई नया कर लगाए बगैर बजट का आकार वित्त वर्ष 201718 के 15,000 करोड़ रुपए से बढ़ाकर वित्त वर्ष 202627 में 34,212.31 करोड़ रुपए कर दिया है।

बजट की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि सरकार ने पूंजीगत व्यय बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को गति देने पर विशेष ध्यान दिया है।

ट्रंप को खुश रखने के लिए 'ब्रिक्स+' की अध्यक्षता की प्रतिष्ठा कम कर रहे हैं प्रधानमंत्री : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश रखने और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करीबी संबंध बनाए रखने की लालसा में 'ब्रिक्स+' अध्यक्षता के महत्व और उसकी प्रतिष्ठा को कम कर रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि 'ब्रिक्स+' की अध्यक्षता करते हुए भारत, पश्चिम एशिया संकट पर कोई सामूहिक बयान जारी नहीं कर पाया है।

रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, '' 2025 में ब्राजील ब्रिक्स+ का अध्यक्ष था। उसने जून 2025 में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों के मुद्दे पर 11 सदस्य देशों से एक संयुक्त बयान जारी करवाया था। भारत 2026 में ब्रिक्स+ की अध्यक्षता कर रहा है। लेकिन अब तक उसने अमेरिका–इजराइल द्वारा ईरान पर हवाई हमलों और लक्षित हत्याओं, तथा इसके बाद ईरान द्वारा खाड़ी देशों में गैर–सैन्य ठिकानों पर किए गए हमलों तथा श्रीलंका और भारत के करीब हिंद महासागर में अमेरिकी नौसेना की स्तब्ध करने वाली कार्रवाई पर कोई सामूहिक बयान जारी करने की न तो इच्छा दिखाई है और न ही साहस जुटाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ट्रंप को खुश रखने और बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करीबी संबंध बनाए रखने की लालसा में प्रधानमंत्री मोदी 'ब्रिक्स+' अध्यक्षता के महत्व और उसकी प्रतिष्ठा को कम कर रहे हैं।

वैष्णव के नेतृत्व में रेलवे का तकनीक आधारित और भविष्योन्मुखी विकास हो रहा : भाजपा सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे में मुख्य सुरक्षा अधिकारी के रूप में अपने कार्यकाल का उल्लेख करते हुए भाजपा के एक सांसद ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में रेलवे का तकनीक आधारित और भविष्योन्मुखी विकास हो रहा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य विष्णुदयाल राम ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए रेल मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा, ''मैंने रेलवे में मुख्य सुरक्षा अधिकारी के रूप में काम किया है। उस दौरान मैंने तीन रेल मंत्रियों के नेतृत्व में काम किया। प्रत्येक मंत्री ने रेलवे के विकास में योगदान दिया है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं अपने अनुभव के आधार पर यह बात पूरे विश्वास के साथ कहना चाहूंगा कि वर्तमान रेल मंत्री वैष्णव का दृष्टिकोण तकनीक आधारित और भविष्योन्मुखी है।'' भाजपा सांसद ने कहा कि आज भारतीय रेल में परिचालन जटिलताओं के समाधान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल डेटा बेस और 'कवच' जैसी प्रौद्योगिकियों का अधिक से अधिक उपयोग हो रहा है, इनके परिणामस्वरूप रेल यातायात अपेक्षाकृत सुरक्षित हुआ है। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 तक देश में 164 वंदे भारत ट्रेन 274 से अधिक जिलों को जोड़ चुकी हैं।

भाजपा के ही रामवीर सिंह बिधूड़ी ने चर्चा में भाग लेते हुए रेलवे में सुरक्षा, आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं में लगातार ध्यान दिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि संप्रग के शासन में 2004 से 2014 तक औसतन प्रतिदिन केवल 4.2 किलोमीटर रेल पटरी बिछाई जाती थी और आज रोजाना औसतन 14.5 किमी पटरी बिछाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब एक दशक में 31 हजार किलोमीटर से अधिक रेल पटरी बिछाई गई हैं। दक्षिण दिल्ली से सांसद बिधूड़ी ने कहा कि 2009 से 2014 तक दिल्ली को रेल बजट में औसतन हर साल 96 करोड़ रुपए मिलते थे, लेकिन अकेले इस साल के बजट में दिल्ली के लिए 2,711 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। वहीं, कांग्रेस की सांसद कुमारी सैलजा ने दावा किया कि इस बार का बजट विशेष रूप से रेलवे के मामले में 'सबका साथ–सबका विकास' की सरकार की सोच पर खरा नहीं उतर पाया है। आज के वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा हालात को देखते हुए यह बात तय हो गई है कि सरकार को सार्वजनिक परिवहन में और निवेश करना होगा।

रेल मंत्री जब बोलते हैं तो जुबान से शहद टपकता है : सपा सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के एक सांसद ने लोकसभा में सोमवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की सराहना करते हुए कहा कि ''जब वह बोलते हैं तो उनकी जुबान से मधु टपकता है।''

समाजवादी पार्टी (सपा) के दरोगा प्रसाद सरोज ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए रेल मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए अपने निर्वाचन क्षेत्र लालगंज को क्षेत्र के एक प्रस्तावित रेल मार्ग से जोड़ने की मांग करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित गोरखपुर–प्रयागराज–आजमगढ़–वाराणसी रेल मार्ग को लालगंज से जोड़ने पर पूरे पूर्वांचल क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

सपा सांसद ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की तारीफ करते हुए कहा, ''कई बार आपने सर्वे कराया है। आप बड़े उदार हैं। बहुत अच्छे हैं। बहुत कोमल हैं। और आप बहुत मृदुभाषी भी हैं। मेरा मानना है कि जब आप बोलते हैं तो आपकी जुबान से मधु टपकता है।''

इस पर, किसी सदस्य ने यह टिप्पणी की कि ''यह (रेल मार्ग) मिल जाएगा आपको...।''

वहीं, सपा सांसद ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रस्तावित रेल मार्ग में उनके निर्वाचन क्षेत्र को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित रेल मार्ग में उनके क्षेत्र को जोड़े जाने पर

सपा सांसद ने कहा कि इस प्रस्तावित रेल मार्ग में उनके क्षेत्र को जोड़े जाने पर किसानों को अपनी कृषि उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने के लिए सस्ता और तेज साधन मिलेगा, युवाओं और छात्रों को शिक्षा के प्रमुख केंद्र प्रयागराज एवं वाराणसी तक पहुंचने में होगी सुविधा

''किसानों को अपनी कृषि उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने के लिए सस्ता और तेज साधन मिलेगा, युवाओं और छात्रों को शिक्षा के प्रमुख केंद्र प्रयागराज एवं वाराणसी तक पहुंचने में सुविधा होगी।''

सपा सांसद ने कहा कि इससे व्यापार, छोटे उद्योग और स्थानीय बाजारों को नई ऊर्जा मिलेगी और पूर्वांचल के कई उपेक्षित क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा।

शिक्षा के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए : आनंदी बेन पटेल

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सोमवार को कहा कि विद्वान शिक्षकों का ज्ञान विद्यार्थियों तक अवश्य पहुंचना चाहिए और शिक्षा के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़नी चाहिए। राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली के प्रशिक्षु अधिकारियों तथा भारत सरकार की प्रशासनिक सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक अध्ययन विषय पर राज्यपाल पटेल से जन भवन में शिष्टाचार मुलाकात की और संवाद किया। इस दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन व्यवस्था तथा विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श किया गया।

जन भवन के एक आधिकारिक बयान के मुताबिक इस भेंट में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंगों के प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ–साथ मालदीव, ब्राजील, श्रीलंका, आर्मेनिया तथा मंगोलिया के सैन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा, उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि हुई है तथा विदेश से आने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ी है। अधिकारियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में सरकारी योजनाओं का समुचित व समयबद्ध क्रियान्वयन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बजट की राशि का पूर्ण व प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

भाजपा मतुआ समुदाय से नागरिकता का अधिकार छीनना चाहती है : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर मतदाता सूची संशोधन की आड़ में मतुआ समुदाय को उनके नागरिकता अधिकारों से वंचित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने इसी के साथ मतुआ समुदाय के अधिकारों के लिए लड़ने का संकल्प लिया।

बनर्जी ने मतुआ समुदाय के संस्थापक हरिचंद ठाकुर की जयंती के अवसर पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा उन लोगों में भय फैला रही है जो पीढ़ियों से इस धरती के बेटे–बेटियां हैं। उन्होंने कहा, हरिचंद ठाकुर द्वारा शुरू किया गया संघर्ष लोगों के आत्मसम्मान और मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए था। आज, मुझे यह देखकर दुख होता है कि भाजपा सरकार उस पवित्र संघर्ष को कलंकित करने का प्रयास कर रही है।''

बनर्जी ने कहा, ''इस देश के सच्चे नागरिकों के अधिकार छीने जा रहे हैं। मैं इस साजिश को कभी स्वीकार नहीं करूंगी।''

ठाकुर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हाते काम, मुखे नाम' (हाथों से काम करो, भगवान का नाम जपो) के मंत्र के माध्यम से काम और भक्ति को एक साथ जोड़ने की उनकी शिक्षाएं एक शाश्वत मार्गदर्शक बनी रहेंगी।

बनर्जी ने मतुआ समुदाय के कल्याण के लिए अपनी सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं का उल्लेख किया, जिनमें ठाकुरनगर के पास हरिचंद –गुरुचंद विश्वविद्यालय की स्थापना, कृष्णानगर में एक विस्तार परिसर, गायघाट में पीआर ठाकुर राजकीय महाविद्यालय, नए आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेज और हाबरा–गायघाट के लिए जलतृप्ति जल परियोजना शामिल हैं।

पंड्या को अपनी असली क्षमता दिखानी होगी : हरभजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि अगर पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियंस को आगामी आईपीएल में मजबूत चुनौती पेश करनी है तो कप्तान हार्दिक पंड्या को अपनी असली क्षमता दिखानी होगी और आगे बढ़कर टीम की अगुआई करनी होगी। पंड्या की अगुवाई में मुंबई इंडियन्स का लक्ष्य अपने पांच साल के ट्रॉफी के सूखे को खत्म करना और लीग के इतिहास की सबसे सफल टीम बनना होगा।

हरभजन ने 'जियोहॉस्टार' पर कहा, ''मुझे लगता है कि हार्दिक पंड्या को अपना असली हार्दिक पंड्या वाला रूप दिखाना होगा। उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। जब वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना शुरू करेंगे – ना केवल एक बल्लेबाज के तौर पर बल्कि एक गेंदबाज के तौर पर भी तो इससे बहुत बड़ा फर्क पड़ेगा। हमने उन्हें टी20 विश्व कप में गेंदबाजी करते देखा था। गेंद के साथ वह शानदार थे। आईपीएल में भी उन्हें यही करना होगा। जब कोई कप्तान आगे बढ़कर नेतृत्व करता है और रास्ता दिखाता है तो हर कोई उसका अनुसरण करता है। यह सब विश्वास पर निर्भर करेगा।'' इस पूर्व स्पिनर ने कहा, ''अगर हार्दिक और उनकी टीम पहले दिन से ही यह विश्वास कर लें कि वे यहां सिर्फ मुकाबला करने के लिए नहीं बल्कि छठी बार ट्रॉफी जीतने के लिए आए हैं तो मुंबई इंडियन्स के लिए चीजें बहुत तेजी से बदल सकती हैं।''

हरभजन को यह भी लगता है कि टीम प्रबंधन शायद क्विंटन डिकॉक और रेयान रिकेल्टन दोनों को एक साथ एकादश में नहीं उतारेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मुंबई इंडियन्स का टीम प्रबंधन क्विंटन डिकॉक और रेयान रिकेल्टन दोनों को एक साथ एकादश में शामिल करेगा। इन दोनों में से कोई एक ही शुरुआती क्रम में शामिल होगा।''

हरभजन ने कहा कि रोहित शर्मा शीर्ष क्रम में जिम्मेदारी संभालेंगे जबकि उनके साथ पारी का आगाज करने के लिए डिकॉक या रिकेल्टन में से कोई एक होगा। उन्होंने कहा, ''मुंबई इंडियन्स के पास ऊपरी क्रम में रोहित शर्मा भी हैं। वह मुख्य सलामी बल्लेबाज होंगे और दूसरे छोर पर रेयान या डिकॉक उनका साथ देंगे।'' हरभजन ने कहा, ''इसके बाद सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा तीसरे और चौथे नंबर पर आएंगे। इसलिए मुझे नहीं लगता कि हम डिकॉक और रिकेल्टन को एक ही समय पर एक साथ खेलते हुए देखेंगे।''

अंडर-19 विश्व कप फाइनल की पारी विशेष थी : सूर्यवंशी

जयपुर/भाषा। भारतीय क्रिकेट की युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने अंडर–19 विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए शतक को अपने करियर की 'विशेष' पारी करार दिया जिसने भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने महज 80 गेंद में 175 रन की शानदार पारी खेली जिससे भारत छठी बार अंडर–19 विश्व कप जीतने में सफल रहा।

राजस्थान रॉयल्स की नई जर्सी के अनावरण के अवसर पर सूर्यवंशी ने कहा, ''मेरे लिए करियर का अभी तक का यादगार पल अंडर–19 विश्व कप (हरारे में) की फाइनल पारी है। मैं पहली बार अंडर–19 विश्व कप में खेल रहा था। फाइनल में शतक बनाना मेरे लिए गर्व का क्षण था। फाइनल में मैंने टीम के लिए जो योगदान दिया वह विशेष था।'' इस साल के आईपीएल में अपने लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर सूर्यवंशी ने कहा कि वह केवल प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और अन्य चीजों के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं अपना ध्यान टीम को मैच जिताने में योगदान देने पर केंद्रित करता हूं।

भाजपा की सुविधानुसार तय होती हैं चुनाव की तारीखें : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा के बाद सोमवार को दावा किया कि भाजपा की सहूलियत के हिसाब से चुनाव की तारीखें और चरण तय किए जाते हैं। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''जिस तरह से चुनावों की तारीखों की घोषणा होती है और चरणों को निर्धारित किया जाता है, उससे मुझे लगता है कि ये सब भाजपा की सुविधानुसार तय होता है।''

निर्वाचन आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी। सभी राज्यों में मतगणना चार मई को होगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए दो चरण में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा। केरल, असम और पुडुचेरी के लिए नौ अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा।

टेस्ट खेलना चाहूंगा लेकिन टी20 में 'हाथ सेट है' : सूर्यकुमार यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के विश्व कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव का कहना है कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं , वनडे क्रिकेट उन्हें रास नहीं आता, लेकिन टी20 उनकी ताकत है क्योंकि ''उसमें उनका हाथ सेट हो गया है।''

सूर्यकुमार पीटीआई के साथ एक विशेष पॉडकास्ट साक्षात्कार में कभी–कभी मुंबई की आकर्षक हिंदी का उपयोग करते हुए नजर आए जैसे कि ''हाथ सेट हो गया है'' जिसका अंग्रेजी में कोई सटीक अनुवाद नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो उनका मतलब था कि वह अब क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के उस्ताद बन चुके हैं और इसे खेलने में सहज महसूस करते हैं। एक घंटे की बातचीत के दौरान सूर्यकुमार काफी सहज नजर आए और वह भारत को विश्व कप में शानदार सफलता दिलाने के बाद स्पष्ट रूप से बेहद खुश थे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट न खेलने की अपनी निराशा के बारे में खुलकर बात की। सूर्यकुमार ने इस साक्षात्कार के दौरान अपनी चिर परिचित मुस्कान के साथ याद दिलाया कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेला था जिसमें वह केवल एक पारी खेल पाए थे। सूर्यकुमार ने कहा, ''आपकी किस्मत में जो लिखा होता है, आपको वही मिलता है। मैंने भी लाल गेंद से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और 10–12 साल तक रणजी ट्राफी खेली। मैंने मुंबई में लाल गेंद से बहुत क्रिकेट खेली है क्योंकि अगर आप मुंबई में पले बढ़े होते हैं तो आप लाल गेंद से ही शुरुआत करते हैं, इसलिए सब कुछ लाल गेंद के इर्द–गिर्द ही घूमता है।''

भारतीय खेलों के भविष्य के लिए खिलाड़ियों पर केंद्रित नीतियां जरूरी : पी टी उषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा ने कहा है कि भारत में खेल प्रशासन के लिए नीतियां ऐसी होनी चाहिए कि निर्णय लेने में खिलाड़ियों को केंद्र में रखा जाये ।

भारतीय खेल पत्रकार महासंघ (एसजेएफआई) के स्वर्ण जयंती समारोह के तीसरे दिन उषा ने कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रशासकों और खेल ईकाइयों की सर्वोपरि प्राथमिकता खिलाड़ियों की तैयारी, कल्याण और विकास रहे । उन्होंने रविवार को खेल पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा ,'' भारतीय खेलों के भविष्य की दिशा खिलाड़ियों को केंद्र में रखने वाले खेल प्रशासन से तय होनी चाहिए । उनकी तैयारी, कल्याण और विकास हमारी सर्वोपरि प्राथमिकता होनी चाहिए ।'' उन्होंने कहा कि भारत इस समय खेलों के अपने सफर के अहम पड़ाव पर है और बेहतर बुनियादी ढांचे, वैज्ञानिक प्रशिक्षण , मजबूत संस्थागत सहयोग के साथ खिलाड़ी विश्व स्तर पर आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रहे हैं । उषा ने कहा ,'' पिछले एक दशक में हमने बदलाव देखा है जिस तरह से खेल को सहयोग और उत्साहवर्धन मिल रहा है । खिलाड़ियों के पास आज बेहतर बुनियादी ढांचा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और मजबूत संस्थागत सहयोग है ।''

सुविचार

कड़वी बात को मीठे शब्दों में कहना सीखें। सत्य अगर कटु हो, तो उसे विनम्रता के साथ प्रस्तुत करना ही बुद्धिमानी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्राह्मण-विरोधी मानसिकता का नया नमूना

उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा में एक प्रश्न के विकल्पों में 'पंडित' शब्द को गलत तरीके से प्रस्तुत करने की घटना अत्यंत निंदनीय है। उस प्रश्न को पढ़कर साफ पता चलता है कि उक्त विकल्प भूलवश शामिल नहीं हुआ है। यह जानबूझकर की गई हरकत है। इसके पीछे उस व्यक्ति की विकृत मानसिकता है। ब्राह्मणों के खिलाफ सदियों से नफरत का माहौल बनाया गया है। ऐसी गंदी मानसिकता रखने वालों के हौसले कितने बुलंद हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक निर्माता ने तो अपनी फिल्म का नाम ही 'घूसखोर पंडत' रख दिया था। बाद में उसका विरोध हुआ और उच्चतम न्यायालय से फटकार पड़ी तो नाम बदल दिया। इस पर भी कथित बुद्धिजीवियों का एक वर्ग असंतुष्ट था। उन्हें यह बदलाव कला पर आघात महसूस हुआ। क्या कोई निर्माता कला का ऐसा प्रयोग अन्य समुदायों के साथ कर सकता है? नहीं, क्योंकि अगर ऐसा किया तो उसे 'शोषक', 'जातिवादी' जैसी उपाधियों से विभूषित किया जाएगा। हां, ब्राह्मणों के खिलाफ कुछ भी लिखने, दिखाने को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता माना जाता है। सिनेमा में ऐसा शुरू से ही हो रहा है। कितनी ही फिल्में हैं, जिनमें ब्राह्मण को लालची, स्वार्थी और अहंकारी दिखाया गया है, जबकि इन बुराइयों का संबंध किसी जाति विशेष से नहीं है। बुरे लोग हर जाति में मिल जाएंगे। ब्राह्मणों के बारे में एक और बड़ा दुष्प्रचार हुआ है। कई लोग ऐसा मानते हैं कि ब्राह्मण कोई कामकाज नहीं करते, बस मुफ्त की रोटियां तोड़ते हैं, क्योंकि इनके पास रोजाना ही मंदिर से खूब चढ़ावा आ जाता है!

एआई के दौर में ऐसी सोच रखने वालों की बुद्धि पर तरस आता है। अगर ब्राह्मण कोई कामकाज नहीं करते हैं तो उनके घरों के खर्चे कौन चला रहा है? क्या इस महंगाई में कोई ऐसा दानवीर है कि एक जाति के लोग कोई काम न करें और वह उनकी रसोई से लेकर तमाम खर्चे उठाए? ब्राह्मण समाज के कितने लोग मंदिरों के पुजारी हैं? यह आंकड़ा इनकी कुल आबादी का दो प्रतिशत भी नहीं होगा। रही बात मंदिर से खूब चढ़ावा आने की, तो जहां ज्यादातर लोग दानपात्र में डालने के लिए छुट्टे पैसे टटोलते हैं, वहां इस दुष्प्रचार में कोई दम नहीं है। बड़े मंदिर के पुजारियों को बस सामान्य वेतन मिलता है। देशभर में हजारों मंदिर ऐसे हैं, जिनमें रंग-रोगन से लेकर भगवान की पोशाक, दीया-बत्ती तक का खर्च ब्राह्मण अपनी जेब से खुशी-खुशी वहन करता है। वह खुद को भगवान और उसके भक्तों का सेवक समझता है। अगर कोई भक्त आदरपूर्वक एक फल और पांच रुपए भी भेंट कर दे तो उसे दिल खोलकर आशीर्वाद देता है। सैनिक, शिक्षक, चिकित्सक से लेकर विधायक, सांसद, मंत्री, प्रधानमंत्री, न्यायाधीश और राष्ट्रपति अपने-अपने पदों पर देश की सेवा करते हैं। इन्हें कई सुविधाएं मिलती हैं। ये अच्छा-खासा वेतन भी पाते हैं। वहीं, गांव के एक छोटे-से मंदिर में किसी गरीब ब्राह्मण को दक्षिणा में पांच रुपए मिल जाएं तो कई लोगों को वे अखरने लगते हैं। उन्हें लगता है कि 'इतनी बड़ी राशि' मुफ्त में लुटाई जा रही है। मौजूदा व्यवस्था में ढेरों खामियों के बावजूद ब्राह्मणों के कई बच्चे पढ़ाई में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दुनिया की बड़ी कंपनियां उनकी प्रतिभा का लोहा मानती हैं। कुछ लोगों को यह भी नहीं सुहाता। वे चाहते हैं कि हर समस्या के लिए ब्राह्मणों को जिम्मेदार ठहराया जाए। वे उनमें सदैव खोट ढूंढ़ते रहते हैं। उन्हें लगता है कि ब्राह्मणों के बारे में जितना अनर्गल बोलेंगे, उतने ही बड़े प्रगतिशील और बुद्धिजीवी कहलाएंगे। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा में पूछा गया प्रश्न भी इसी मानसिकता का नमूना है। सरकारों को ऐसी प्रवृत्ति को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। किसी की सहनशीलता को उसकी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। बार-बार एक ही समुदाय को निशाने पर लेने के नतीजे भविष्य में शुभ फलदायक नहीं होंगे।

ट्वीटर टॉक

पावन कैला देवी लक्खी मेले के शुभारंभ पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ। माँ कैला देवी से प्रार्थना है कि वे अपने समस्त भक्तों पर कृपा दृष्टि बनाए रखें और सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य तथा मंगलमय भविष्य का आशीर्वाद प्रदान करें।

वसुंधरा राजे

समाज सुधारक एवं मतुआ महासंघ के संस्थापक श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी की 215वीं जयंती तथा पावन 'मतुआ धर्म महामेला' के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ! उनका संदेश आज भी समाज को समरसता और बंधुत्व की राह दिखाता है।

-भजनलाल शर्मा

माँ भारती के वीर सपूत, देश के प्रथम सीडीएस, 'पद्म विभूषण' जनरल बिपिन रावत की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्र की सुरक्षा, सैन्य सुदृढ़ता और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

-योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

नजर का फर्क

श्मशान घाट पर दो अलग-अलग समूहों में कुछ लोग मृत शरीर लेकर आए। एक समूह के लोग अमीर आदमी के शव को सम्मान और बाजे-गाजे के साथ लाये थे और दूसरे वाला कोई गरीब था। उसे कुछ लोगों ने जैसे-तैसे श्मशान तक पहुंचा दिया। दोनों अग्नि को समर्पित हो गए। वहां एक फकीर भी श्मशान में बैठा था, वह उठा और अपने हाथों में दोनों चिताओं की राख लेकर बारी-बारी से उन्हें सूंघने लगा। लोगों ने आश्चर्य से उसके इस कृत्य को देखा और उसे पागल समझा। एक व्यक्ति से रहा नहीं गया, वह फकीर के निकट गया और पूछा, 'बाबा! ये चिता की राख मुट्ठियों में भरकर और इसे सूंघकर क्या पता लगा रहे हो?' फकीर ने कहा, 'मैं गहरी छानबीन में हूं।' वह दाहिने हाथ की मुट्ठी खोलकर उसकी राख को दिखाते हुए बोला, यह एक अमीर व्यक्ति की राख है जिसने जीवनभर बड़े सुख भोगे, दूध-घी, मेवे-मिष्ठान्न खाए हैं और दूसरी मुट्ठी की राख दिखाते हुए फकीर ने कहा, यह एक ऐसे गरीब आदमी की राख है जो आजीवन कठोर परिश्रम करके भी रूखी-सूखी ही खा पाया। मैं इस छानबीन में हूं कि अमीर व गरीब में बुनियादी फर्क क्या है, पर दोनों में कोई फर्क नजर नहीं आ रहा। मुझे तो दोनों ही सिर्फ राख नजर आ रहे हैं।

सामयिक

ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बनता गैस संकट

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है।

वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह लगभग 21 मील चौड़ा समुद्री मार्ग दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण 'ऊर्जा चोकपॉइंट' माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देश अपने तेल और गैस के विशाल भंडार को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है तो पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था अस्थिर हो जाती है। वर्तमान संघर्ष ने भी यही किया है। ईरान द्वारा होर्मुज क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को सीमित करने और जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी ने कई टैंकरों को रोक दिया है, जिससे एलपीजी और एलएनजी के जहाज समुद्र में फंस गए हैं और आयात पर निर्भर देशों को बड़ा झटका लगा है।

भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है।

इसी संकट के दौरान पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पैट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्रोतों के कारण पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती।

इसके विपरीत एलपीजी के मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। एलपीजी को तरल रूप में सुरक्षित रखने के लिए अत्यधिक दबाव और विशेष टैंकों की आवश्यकता होती है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर इसका भंडारण करना महंगा और तकनीकी रूप से जटिल होता है। यही कारण है कि भारत के पास एलपीजी का कोई बड़ा सामरिक भंडार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश में एलपीजी का जो सीमित भंडार है, वह मुश्किल से दो-तीन दिन की खपत के बराबर ही है। परिणामस्वरूप जैसे ही आयात में थोड़ी भी बाधा आती है, उसका असर तुरंत बाजार और घरेलू उपभोक्ताओं पर दिखाई देने लगता है। यही वह संरचनात्मक कमजोरी है, जिसने मौजूदा संकट को गहरा बना दिया है।

इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुंचाई गई है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2014 में जहां देश में एलपीजी कनैक्शनों की संख्या लगभग 14 करोड़ थी, वहीं आज यह बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन है किंतु इसका अर्थ यह भी है कि भारत की घरेलू ऊर्जा व्यवस्था अब एलपीजी के निरंतर प्रवाह पर पहले से कहीं अधिक निर्भर हो गई है। जब इस प्रवाह में व्यवधान आता है तो उसका प्रभाव करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन पर पड़ता है।

संकट का असर केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है। उद्योग, होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भी बड़े पैमाने पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर निर्भर हैं। जब आपूर्ति सीमित होती है तो सबसे पहले इन्हीं क्षेत्रों की गैस आपूर्ति घटाई जाती है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा सके।

परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, छोटे कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है और कई स्थानों पर रोजगार प्रभावित होते हैं। स्टील और धातु उद्योगों से लेकर ढाबों और छोटे भोजनालयों तक, अनेक क्षेत्र इस संकट की मार झेल रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाए हैं। रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया है कि वे कच्चे तेल के प्रसंस्करण के दौरान एलपीजी की रिकवरी को अधिकतम करें। कुछ पैट्रोकेमिकल उत्पादों को अस्थायी रूप से रसोई गैस उत्पादन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से अतिरिक्त एलपीजी कार्गो मंगाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर अस्थायी नियंत्रण लगाकर घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि ये सभी कदम तात्कालिक राहत प्रदान कर सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए इससे कहीं अधिक व्यापक नीति की आवश्यकता है।

दरअसल यह संकट केवल एक युद्ध का परिणाम नहीं है बल्कि यह भारत की ऊर्जा नीति के उस खालीपन की ओर संकेत करता है, जिस पर लंबे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडार बनाए गए, आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण किया गया और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार किया गया लेकिन एलपीजी और गैस सुरक्षा के लिए उसी स्तर की दूरदर्शिता नहीं दिखाई गई। यदि देश में एलपीजी का पर्याप्त सामरिक भंडार होता या गैस भंडारण अवसंरचना विकसित की गई होती तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। यह भी आवश्यक है कि पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार तेजी से किया जाए ताकि घरेलू ऊर्जा व्यवस्था केवल सिलेंडर आधारित मॉडल पर निर्भर न रहे।

ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आयाम है। जब किसी देश की रसोई, उद्योग और परिवहन व्यवस्था बाहरी आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर होती है तो वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएं सीधे उसके भीतर अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। यही कारण है कि विकसित देश ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण, वैकल्पिक ऊर्जा के विकास और बड़े पैमाने पर भंडारण की रणनीतियों पर लगातार काम करते रहते हैं। भारत को भी इसी दिशा में अधिक गंभीरता से आगे बढ़ना होगा।

ऊर्जा संकट लंबे समय से विकसित हो रही संरचनात्मक चुनौतियों का परिणाम होता है। इस समय आवश्यकता है संयम, जिम्मेदारी और ठोस नीति निर्माण की। मध्य-पूर्व का संघर्ष कब समाप्त होगा और होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य स्थिति कब बहाल होगी, इसका स्पष्ट अनुमान फिलहाल किसी के पास नहीं है लेकिन इतना निश्चित है कि इस संकट ने भारत सहित पूरी दुनिया को यह सबक दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति जितनी वैश्विक है, उतनी ही नाजुक भी। यदि भविष्य में ऐसे संकटों से बचना है तो ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, गैस भंडारण अवसंरचना का निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार और घरेलू उत्पादन में वृद्धि जैसे कदम अनिवार्य होंगे अन्यथा हर वैश्विक संघर्ष के साथ भारतीय रसोई और अर्थव्यवस्था इसी तरह असुरक्षा और अनिश्चितता की आग में झुलसती रहेगी।

नजरिया

भारतीय दंतकथाओं के अमर किरदार

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

पिछले दिनों एक पुस्तक के विमोचन समारोह में जाने का अवसर आया। यहाँ जो किताब छपकर आयी थी, उसे देखकर मैं एकदम से अपने बचपन में पहुँच गया। किताब का नाम था- 'लालबुझक्कड़ के किस्से'! यह लालबुझक्कड़ लोककथाओं के ऐसे किरदार हैं, जिनके ढेर सारे किस्से हम बचपन की गर्मियों में गाँव के चबूतरे पर और सर्दियों की रात में अलाव की गर्माहट में सुन चुके थे। किस्सागोई सिर्फ अपने देश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह परम्परा संसार के कोने-कोने में विद्यमान रही है। यहाँ तक कि हर एक देश में किस्सों के लालबुझक्कड़ जैसे पात्र मिलते हैं, जिनके इर्द गिर्द बहुत सी कहानियाँ बुनी गई और सैकड़ों साल बाद भी वह लोक मानस में जीवित हैं।

किस्से सुनना-सुनाना मनुष्य की सबसे पुरातन कला है। गुफाओं में आग के चारों ओर बैठने वाले आदिमानव' भी दिन भर की घटनाओं को कहानियों में ढालते थे। उन कहानियों ने न केवल उनका मनोरंजन किया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को जीवन के सबक, नैतिकता और साहस की प्रेरणा दी। पिछले चार-पाँच दशक से किस्सों के कहने-सुनने के स्वर मंद पड़ने लगे थे। लिहाजा स्वीडन में सन 1991 में किस्सागोई की कला को बचाए रखने के लिए 20 मार्च को राष्ट्रीय किस्सागोई दिवस' के रूप में मनाया गया था। बाद में मानव सभ्यता की इस विरासत की संरक्षा के लिए यूनेस्को के तत्वावधान में सन 2001 से प्रति वर्ष 20 मार्च को विश्व किस्सागोई दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा है।

हम अपने बचपन में जिन लालबुझक्कड़ की कहानियाँ सुनते थे, वह अवधी और भोजपुरी भाषा की दंतकथाओं के एक अमर पात्र हैं, यह अपनी बात से रोते हुए को हँसाने और खुश कर देने की क्षमता रखते हैं। इसकी शुरुआती कथा कुछ इस तरह है, एक गाँव में लालबुझक्कड़ नाम का एक आदमी रहता था। गाँव के लोग उसे ज्ञानी मानते थे। उनकी हर समस्या का समाधान उसके पास होता था, जिसे वह कविता में बताता था। एक बार रात में गाँव से हाथी गुजरा, धूल भरे रास्ते पर उसके पैरों के निशान बन गये। सवेरे गाँववालों को यह बड़े-बड़े गोल निशान दिखे, सबको हैरत हुई कि आखिर यह है क्या? इसका रहस्य जानने सब लालबुझक्कड़ के पास पहुंचे। वह मौके पर पहुंचा, निशान देखे। कुछ देर सोचते रहे, फिर बोले-

लालबुझक्कड़ बूझ गयो और न बूझे कोय।
पैर में चक्की बांध के हिरना कूदा होय।'

उनके कहने का आशय यह है कि मैं इसको समझ गया, और कोई समझ ही नहीं सकता। यह हिरण की करतूत है, जो अपने पैरों में आँटा पीसने की चक्की बांधकर इधर-उधर कूदा है। समस्या का इतना सुन्दर समाधान पाकर ग्रामवासी उनकी बुद्धि का जैकारा लगाते चले गए। लालबुझक्कड़ जानते कितना थे, यह तो जगजाहिर है। उनकी खासियत है, वह यह नहीं कह सकते कि मैं इसके बारे में अनजान हूँ। वह अपनी बुद्धि से समस्याओं का ऐसा हास्यास्पद और चमत्कार भरा समाधान खोज लाते हैं, जो सुनने वाले को हँसाता और गुदगुदाता है। यानी न जानते हुए भी जानकारी देना कितना मजेदार हो सकता है, इसे कोई लालबुझक्कड़ से जाने। बाद में किताबों और पत्रिकाओं में भी लालबुझक्कड़ की कहानियाँ छपीं। टेलीविजन में बच्चों के कार्यक्रम में भी लालबुझक्कड़ का प्रदर्शन हो चुका है।

इसी तरह के 'शेखचिल्ली' भी दंतकथाओं का चुहल पैदा करने वाला एक पात्र है। यह अकल के पीछे लट्ठ लेकर घूमता है। अपने हर कारनामे से लोगों में हंसी और मुस्कराहट पैदा कर देता है। जबकि एक शेखचिल्ली और हैं, जिनकी कहानियाँ बड़ी अर्थपूर्ण होती हैं। वास्तव में दूसरे वाले शेखचिल्ली ऐतिहासिक सूफी संत हैं। यह दिल्ली के थे और उनका वास्तविक नाम अब्द उर्रे रहीम था। वह अत्यंत विद्वान और मुगल बादशाह शाहजहाँ के बड़े पुत्र दाराशिकोह के गुरु थे। कुरुक्षेत्र में उनका शानदार मकबरा भी बना है। मूर्खतापूर्ण खयाली पुलाव पकानेवाले शेखचिल्ली इनसे अलहदा काल्पनिक किरदार हैं। बंगाल में किस्से-कहानियों की दुनिया में 'गोपाल भाँड़' का बड़ा नाम है। पश्चिम बंगाल के कृष्णनगर में गोपाल भाड़ (सन 1701-1767 ईस्वी) की प्रतिमा लगी है। यह नदिया जिले में स्थिति कृष्णनगर के राजा कृष्णचंद्र राय के दरबारी थे। इनसे जुड़े विनोदपूर्ण और बुद्धिमानी के किस्से प्रसिद्ध हैं। यह हाजिर जवाब और चतुर थे। कहानियों से जुड़े वास्तविक लोगों में विहार के गोनू झा भी बड़े मानिन्द हैं। सारे देश में इनके किस्से कहे-सुने जाते हैं। यह दरभंगा के गाँव भरवारा के चतुर सुजान ब्राह्मण थे। इनकी कहानियों में हास्य-व्यंग्य और बुद्धिमानी से भरे कारनामे मिलते हैं। गोनू झा सन 1276 से 1325 ई. के बीच उत्तरी बिहार और नेपाल में स्थित सिमरांवगढ़ के राजा शक्तिसिंह देव और हरिसिंह देव के राज दरबारी थे।

देश के हर भाग में 'अकबर-बीरबल' के किस्से प्रचलित में हैं। बीरबल का वास्तविक नाम महेशदास था। यह अकबर के नवरत्नों में एक थे। इनका जन्म मध्य प्रदेश के सीधी जिले के घोंघरा गाँव में 1528 ईस्वी में हुआ था। यह भी कहा जाता है कि उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले का टिकवापुर गाँव इनका जन्म स्थान है, इन्हें भट्ट ब्राह्मण परिवार से बताया जाता है। इनकी पत्नी उर्वशी देवी थीं और संतान के रूप में एकमात्र पुत्री सौदामिनी का उल्लेख मिलता है। यह विद्वान, कवि और तीव्र बुद्धि के थे। इनके किस्से बुद्धिमानी, हाजिर जवाबी और हास्य पैदा करने वाले होते हैं। यह बहादुर भी थे। इनकी बहादुरी से प्रसन्न होकर अकबर ने इनको 'बीरवर' की उपाधि दी थी, जो बाद में बिगड़ कर बीरबल बन गई। सन 1586 की 16 फरवरी को बीरबल पश्चिमोत्तर सीमा पर काराकर में यूसुफ जई कबीले के विद्रोह को दमन करने वाली लड़ाई में मारे गए थे।

ऐतिहासिक पात्रों में तेनालीराम के किस्से भी रोचक, तर्कपूर्ण और वाक्पटुता से भरपूर होते हैं। इनका असली नाम रामकृष्ण पिल्लै था। यह रामाकृष्ण और तेनाली रामालिंगा के नाम से भी जाने जाते हैं। दक्षिण के विजयनगर राज्य के महाराज कृष्णदेव राय के दरबार में तेनाली की नियुक्ति सलाहकार और विद्वान के रूप में हुई थी। यह दरबार के तेलुगु कवियों के समूह अष्टदिग्गजों में एक थे। तेनालीराम पिता गरलापति रमैया और माता लक्षम्मा के पुत्र के थे। इनका जन्म 22 सितम्बर 1480 ईस्वी में हुआ था। करीब 47 साल की अवस्था में 5 अगस्त 1528 ईस्वी में शर्पदंश से उनकी असामयिक मृत्यु हो गई थी। तेलुगु में उनका लिखा पांडुरंग महात्म्यम' उच्चकोटि का महाकाव्य है। वह अपनी तीक्ष्ण बुद्धि लिए भी जाने जाते हैं। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में तेनाली नामक शहर में नगर पालिका के पास इनकी प्रतिमा स्थित है। इनके ऊपर केंद्रित टीवी धारावाहिक तेनाली रामा' का प्रसारण भी हो चुका है।

दादी-नानी की लोककथाएं हों, या किताबों में दर्ज ऐतिहासिक-पौराणिक गाथाएं, हर कथा जीवन को समझने की नई दृष्टि देती है। बचपन में जो कहानियाँ सुनते थे, वह सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं होती थी-वह हमारे मन में सपनों के बीज बोती थी। कहानियों की दुनिया बहुत बड़ी है, रहस्य-रोमांच और मनोरंजन से भरी हुई! एक अच्छी कहानी सुनते ही हमारा मन उसमें खो जाता है और हमारा दिल भावनाओं की लहरों में डूबने लगता है। कहानी की यह ताकत है, जो हमें हँसाती हैं, रुलाती हैं, और सोचने पर मजबूर करती हैं। कहानी अनुभवों का उजाला होती है, जो न केवल हमारे भीतर के अंधेरे को मिटाती है, बल्कि जीवन में रोशनी का आगाज करती है। यही कारण है कि यूनेस्को ने 'विश्व किस्सागोई दिवस-2026' की थीम 'अंधेरे में रोशनी' रखा है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ब्रिटेन संघर्ष में नहीं शामिल होगा : स्टार्मर

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने सोमवार को कहा कि वह ब्रिटेन को पश्चिम एशिया में व्यापक युद्ध में घसीटे जाने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर होर्मुज की खाड़ी को फिर से खोलने के लिए एक व्यवहार्य योजना तैयार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय '10 डाउनिंग स्ट्रीट' में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बाजार में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना होगा, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यह कोई आसान काम नहीं है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन इस क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने के लिए एक व्यवहार्य, सामूहिक योजना लाने के संबंध में अपने सभी सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। स्टार्मर ने जोर दिया कि वह ब्रिटेन को किसी व्यापक युद्ध में नहीं घसीटने देंगे। उन्होंने कहा, मैं इस युद्ध का जल्द से जल्द अंत देखना चाहता हूं। क्योंकि यह जितना लंबा चलेगा, स्थिति उतनी ही खतरनाक होती जाएगी।

स्टार्मर ने यह भी बताया कि उन्होंने रविवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की, जिसमें दोनों ने कई मुद्दों पर चर्चा की।

ईरान-इराक सीमा खुलते ही सस्ते सामान, इंटरनेट और काम की तलाश में इराक पहुंचे दर्जनों ईरानी

हाजी ओमेरान (इराक)/एपी

युद्ध के कारण लंबे समय से बंद रही सीमा खुलने के बाद रविवार को दर्जनों ईरानी नागरिक सस्ती खाद्य सामग्री खरीदने, इंटरनेट का उपयोग करने, परिजनों से संपर्क साधने और काम की तलाश में उत्तरी इराक में दाखिल हुए। यात्रियों ने बताया कि लगातार हो रहे हवाई हमलों और खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने ईरान में जीवन बेहद कठिन बना दिया है।

इराक के कुर्द क्षेत्र से माल से लदे ट्रक हाजी ओमेरान सीमा चौकी के रास्ते ईरान की ओर बढ़ते दिखाई दिए। इससे ईरान में बढ़ती कीमतों से जूझ रहे लोगों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।अमेरिका और इज़राइल के साथ युद्ध शुरू होने से पहले भी ईरानी कुर्द अक्सर इराकी कुर्दिस्तान में आते-जाते रहे हैं। दोनों क्षेत्रों के बीच पारिवारिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध गहरे हैं तथा खुली सीमा के कारण व्यापार और आवागमन नियमित रहा है। अब युद्धग्रस्त क्षेत्र में ईरानियों के लिए बाहरी दुनिया से जुड़ने का अहम जरिया इराक का कुर्द क्षेत्र बन गया है। ईरान की ओर सामान लेकर जा रहे ट्रक चालक खिदेर चोमानी ने कहा, ''जब यह सीमा बंद थी, तब इसका असर गरीबों, अमीरों और मजदूरों सभी पर पड़ा।'' क्षेत्रीय सैन्य तनाव बढ़ने के बाद इस सीमा को बंद कर दिया गया था। इराकी कुर्द प्रशासन लंबे समय से अपने ईरानी समकक्षों द्वारा इसे फिर से खोलने का इंतजार कर रहा था। एपी से बात करने वाले लगभग सभी ईरानी कुर्दों ने अपनी पहचान गोपनीय रखने का अनुरोध करते हुए कहा कि उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर डर है और उन्हें संदेह है कि ईरानी खुफिया एजेंसियां मीडिया से बात करने वालों पर नजर रखती हैं। उन्होंने दावा किया कि कई ईरानी सैन्य ठिकाने, खुफिया कार्यालय और अन्य सुरक्षा प्रतिष्ठान हमलों में नष्ट हो गए हैं। बमबारी के कारण सुरक्षा बलों की गतिविधियां भी सीमित हो गई हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कई सुरक्षाकर्मी सरकारी इमारतों से दूर रहकर स्कूलों और अस्पतालों जैसे नागरिक ठिकानों में शरण ले रहे हैं या फिर कार्यालयों में रिपोर्ट करने के बजाय वाहनों में ही घूमते रहते हैं। ईरान के पिरानशहर शहर की एक कुर्द महिला रविवार को अपने रिश्तेदारों से संपर्क करने और जरूरी सामान खरीदने के लिए सीमा पार कर आई। उसने बताया कि वह 15 किलोमीटर की यात्रा करके यहां पहुंची। उसने कहा, '' मैं यहां फोन करने आई हूं। ईरान के अधिकतर हिस्सों में इंटरनेट नहीं है। पिछले 16 दिनों से मेरे रिश्तेदारों को मेरी कोई खबर नहीं मिली है और वे चिंतित हैं।'' महिला ने बताया कि देशभर में इंटरनेट बाधित होने के कारण कई ईरानी इराकी सिम कार्ड खरीदते हैं और सीमा के पास जाकर विदेश में रह रहे अपने परिजनों और दोस्तों से संपर्क करते हैं।

वह सीमा के पास स्थित बाजार में अपने शहर पिरानशहर की तुलना में कम कीमत पर चावल और खाने का तेल जैसे जरूरी सामान खरीदने गई थी। उसके अनुसार, युद्ध के कारण महंगाई बढ़ने से ईरान में इन बुनियादी वस्तुओं की कीमतें बहुत अधिक हो गई हैं।

मुश्किल वक्त को खुद पर हावी नहीं होने देता : राजपाल यादव

मुंबई/एजेन्सी

मुश्किल दौर से हाल ही में निकले कमीडियन व अभिनेता राजपाल यादव ने मुश्किल समय में अपनी भावनात्मक मजबूती और सकारात्मक सोच के बारे में खुलकर बात की। पिछले कुछ महीनों से चल रहे कानूनी मामलों और निजी परेशानियों के बावजूद एक्टर ने हिम्मत नहीं हारी और काम पर पूरा फोकस रखा। आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर अपनी राय रखी। राजपाल यादव से पूछा गया कि क्या ये चुनौतियां उनके काम और मनोबल पर असर डालती हैं। तो उन्होंने बताया, हर दिन एक नई शुरुआत होती है। हर दिन काम का दिन होता है। हर दिन एक नया दिन होता है। एक्टर ने कहा कि वह मुश्किलों को खुद पर हावी नहीं होने देते, बल्कि हर सुबह नई उम्मीद के साथ उठते हैं और अपनी कला पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने बातचीत में सकारात्मकता के लिए ईश्वर का आभार भी जताया। राजपाल यादव ने कहा, भगवान सबका भला करे। आजादी से सब सांस लें। इससे

पहले एक्टर ने बताया था कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने बताया कि ऐसी खबरें फैलाने वाले ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं।

राजपाल ने इस दौरान मुश्किल समय में मिले सहारे की भी बात की। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में इंडस्ट्री के कई लोग उनके साथ खड़े हुए और उनकी मदद की। गौरतलब है कि राजपाल यादव को हाल ही में चेक बाउंस के एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। कोर्ट ने उन्हें अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए 18 मार्च तक की अंतरिम बेल दी। सुनवाई के दौरान राजपाल के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि एक्टर ने 1.5 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट जमा कर दिया है। साथ ही, उन्हें अपना पासपोर्ट भी सरेंडर करने का निर्देश दिया गया। इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को निर्धारित है।

कैंसर मरीजों के लिए रैंप पर उतरे इब्राहिम अली खान, प्रतिभा रांटा और कुब्रा सैत

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता इब्राहिम अली खान, प्रतिभा रांटा और कुब्रा सैत हाल ही में 'केयरिंग विथ स्टाइल 2026' नामक एक चैरिटी फैशन इवनिंग में रैंप पर वॉक करते नजर आए। यह वार्षिक कार्यक्रम हर वर्ष कैंसर पेशेंट एड असोसिएशन द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य कैंसर मरीजों के लिए जागरूकता बढ़ाना और उनके समर्थन के लिए पहल को प्रोत्साहित करना है। इस खास मौके पर तीनों कलाकार फैशन लेबल 'आईटीआरएच' के लिए शोस्टॉपर बने थे। डिजाइनर मोहित रायऔर ऋद्धि बंसल द्वारा स्थापित इस लेबल ने इस कार्यक्रम में अपनी पांच साल की यात्रा का जश्न मनाते हुए एक विशेष कलेक्शन पेश किया। रैंप पर अपनी अलग-अलग शैली और मौजूदगी के साथ इब्राहिम, प्रतिभा और कुब्रा ने इस शाम को और भी खास बना दिया। उनकी मौजूदगी ने न सिर्फ इवेंट में स्टार पावर जोड़ी, बल्कि उस बड़े उद्देश्य की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जिसके लिए यह आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के तुरंत बाद रैंप वॉक की झलकियां सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगीं। फ़िलहाल अभिनेताओं के वॉक के वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट पर खूब चर्चा में बनी हुई है। फैन पेज से लेकर एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स तक, इस शोकेस के कई पल ऑनलाइन साझा किए गए, जहां लोगों ने न सिर्फ कलाकारों की रैंप प्रेजेंस की तारीफ की, बल्कि इस सार्थक पहल की सराहना भी की।

प्रेम कहानियों की वापसी होगी: जोया अख्तर

मुंबई/भाषा। फिल्म निर्माता ज़ोया अख्तर का मानना है कि पारंपरिक प्रेम कहानियां जल्द ही बड़े पर्दे पर बड़ी वापसी करेंगी।

व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल द्वारा स्क्रीनराइटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसडब्ल्यूए) के सहयोग से आयोजित एक विशेष पटकथा लेखन कार्यशाला सत्र में अख्तर से पूछा गया था कि महत्वाकांक्षी लेखकों को किन विषयों पर लेखन करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं उस तरह से काम नहीं करती जैसे, 'इंडस्ट्री में इस समय ऐसे विषयों की तलाश हो रही है, तो चलो मैं इसे लिखती हूं'... लेकिन अगर आप पिछले 10 .15 सालों को देखें, तो सब कुछ में एक ठहराव सा आ गया है। इसलिए, अगर आप इस चक्र को देखें तो शायद प्रेम कहानियां वापस आ जाएंगी।प्रेम कहानियां जैसे यश राज फिल्म्स द्वारा निर्मित सैयारा जिसमें नवोदित अभिनेता अहान पांडे और आनीत पड्डा थे, धनुष और कृति सेनन की तेरे इश्क में और एक दीवाने की दीवानियत जिसमें हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा थे, पिछले साल बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुईं। जोया ने बताया कि वह वर्तमान में निर्देशक और निर्माता दोनों के रूप में कुछ परियोजनाओं पर काम कर रही हैं।

करण औजला ने चंडीगढ़ में 40 हजार प्रशंसकों के सामने दी प्रस्तुति

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब के चंडीगढ़ में पंजाबी गायक करण औजला ने 40 हजार से अधिक प्रशंसकों के सामने प्रस्तुति दी। दावा किया जा रहा है कि यह चंडीगढ़ में अब तक का सबसे बड़ा पंजाबी लाइव कॉन्सर्ट था औजला फिलहाल अपने 'पी-पॉप कल्चर इंडिया टूर' पर हैं और उन्होंने शनिवार को शहर में प्रस्तुति दी। एक विज्ञप्ति के मुताबिक औजला ने श्रोताओं को 'सॉफ्टली', 'विनिंग स्पीच', '52 बार्स', 'टेक इट इजी' और 'एडमिरिन यू' जैसे गानों से मंत्र मुग्ध कर दिया। औजला ने एक बयान में कहा, ''पंजाब मेरी जन्मभूमि है और यहीं से सब कुछ शुरू हुआ। आज रात सिर्फ एक शो नहीं था, बल्कि प्यार, जुनून, सम्मान और गर्व से भरा एक यादगार पल था। मेरे सभी चंडीगढ़ के प्रशंसकों, आपने इस रात को यादगार और जादुई बना दिया।''औजला 21 मार्च को इंदौर में, 29 मार्च को बेंगलूरु में, तीन अप्रैल को कोलकाता में, पांच अप्रैल को जयपुर में, 10 अप्रैल को लखनऊ में और 12 अप्रैल को लुधियाना में प्रस्तुति देंगे।

पेप्सी ने 'सैयारा' के कलाकार अहान पांडेय और अनीत पड्डा को ब्रांड एम्बैसडर बनाया

नई दिल्ली/भाषा। गर्मियों के मौसम से पहले शीतल पेय पदार्थ बनाने वाली कंपनी पेप्सिको की भारतीय इकाई ने युवाओं, खासकर नई पीढ़ी को ध्यान में रखते हुए फिल्म 'सैयारा' के अभिनेता अहान पांडेय और अभिनेत्री अनीत पड्डा को अपने नए प्रचार अभियानों का चेहरा बनाया है। कंपनी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य युवाओं के साथ अपने जुड़ाव को और मजबूत करना है। कंपनी के अनुसार, दोनों कलाकार अपने स्वाभाविक अंदाज और लोकप्रियता के कारण नई पीढ़ी के बीच तेजी से पहचान बना रहे हैं और ऐसी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जो बदलती सांस्कृतिक प्रवृत्तियों से तुरंत जुड़ जाती है। कंपनी ने कहा कि अहान पांडेय और अनीत पड्डा को पेप्सी परिवार में शामिल कर वह युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की अपनी परंपरा को जारी रख रही है, जो आज की पीढ़ी के साथ बेहतर जुड़ाव स्थापित कर सकती हैं। कंपनी में भारत और दक्षिण एशिया के पेय कारोबार के उपाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक नितिन भंडारी ने कहा कि नया प्रचार अभियान पेप्सी की युवा ऊर्जा और जोश को दर्शाता है।

चर्चा

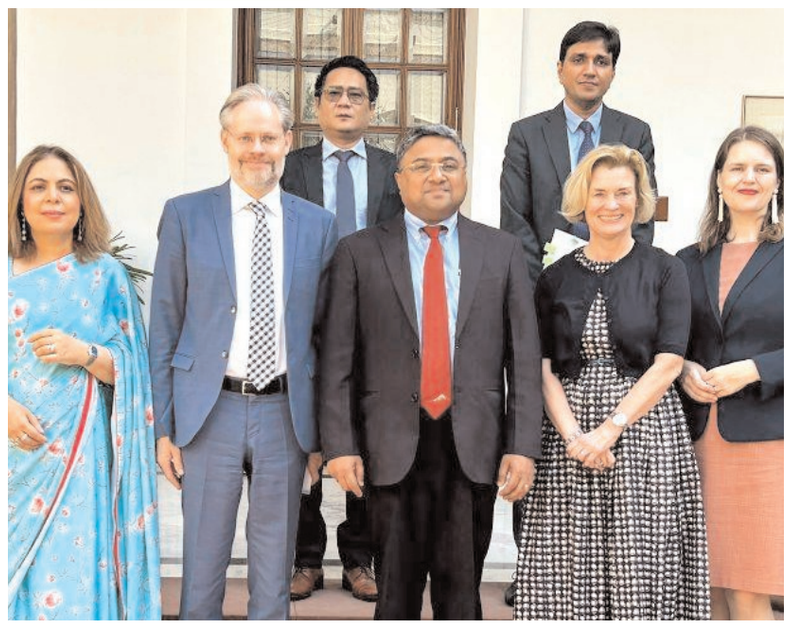

सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने नई दिल्ली में नॉर्डिक देशों के राजदूतों के लिए दोपहर के भोजन (लंच) की मेजबानी की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत और नॉर्डिक देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना था।

व्हाइट गाउन पहन ऑस्कर पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा, जेवियर बार्डेम संग प्रेजेंट किया 'बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म' अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

98वें अकादमी पुरस्कार समारोह में देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा का जलवा देखने को मिला। उनकी किसी फिल्म ने अवॉर्ड नहीं जीता, लेकिन वे पहली भारतीय अभिनेत्री हैं जिन्हें ऑस्कर जैसे ग्लोबल अवॉर्ड फंक्शन में अवॉर्ड प्रेजेंट करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने अभिनेता जेवियर बार्डेम के साथ मिलकर बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म का अवॉर्ड 'सेंटिमेंटल वैल्यू' को दिया। जोआकिम ट्रायर के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक पिता और उसकी दो बेटियों के बीच के जटिल और तनावपूर्ण संबंधों को दर्शाती है। फिल्म की कहानी उन अनसुलझे पारिवारिक विवादों और कलात्मक विरासत के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनसे यह परिवार जूझ रहा है। नॉर्वे की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक ऐसे प्रतिष्ठित फिल्मकार की यात्रा है, जो अपने नई फिल्म प्रोजेक्ट पर काम करने के साथ-साथ अपने परिवार के साथ बिगड़े रिश्तों को सुधारने का प्रयास करता है।

अवॉर्ड शो में ही प्रियंका स्टेज पर पहुंची, और वैसी ही जेवियर बार्डेम ने माइक पर गरजते हुए कहा, फिलिस्तीन को आज़ाद करो। ऑस्कर के लिए अभिनेत्री ने खास

तौर पर एक व्हाइट ऑफ-शोल्डर गाउन में नजर आईं, जिसे डिजाइनर डायोर ने डिजाइन किया। गाउन को क्लासिक हॉलीवुड शैली और आधुनिक बारीकियों के साथ तैयार किया गया। गाउन का स्लिट शेप एक्ट्रेस की खूबसूरती पर चार चांद लगा रहा था। गाउन के बड़े घेर और लंबाई ने प्रियंका को शाही लुक दिया।गाउन के निचले हिस्से पर, काले और सफेद रंग के ट्यूल की डिटेलिंग ने किसी ब्राइडल गाउन जैसी थी। एक्ट्रेस ने गाउन के साथ डायमंड का लाइटवेट नेकलेस कैरी किया। प्रियंका का ओवरऑल लुक शानदार रहा, जबकि निक जोनस ब्लैक एंड व्हाइट थ्री पीस में नज़र आए कपल ने रेड कार्पेट पर अपनी ट्रविनिंग के साथ सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। बता दें कि लॉस एंजिल्स के हॉलीवुड स्थित डॉल्बी थिएटर में 98वें ऑस्कर पुरस्कार समारोह का आयोजन हुआ। इस साल ऑस्कर समारोह की मेजबानी लेट-नाइट होस्ट कॉनन ओ'ब्रायन ने की, जिन्होंने 2025 के शो की भी मेजबानी की थी। निर्देशक रयान कूगलर की फिल्म 'सिनर्स' इस बार बेस्ट फिल्म, बेस्ट निर्देशक और अभिनेता सहित 16 श्रेणियों में पुरस्कार जीतने की दौड़ में सबसे आगे है।

अक्षय कुमार के शो में पहुंचे गुजराती ब्लॉकबस्टर 'लालो' के सितारे, शेयर की फिल्म के पीछे की कहानी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी फिल्मों के साथ-साथ क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में सक्रिय हैं। उनके शो में गुजराती फिल्म 'लालो-कृष्ण सदा सहायते' की टीम ने स्पेशल गेस्ट के तौर पर शिरकत की है। 'लालो' गुजराती सिनेमा की पहली ऐसी फिल्म बनी है, जिसने बॉक्स ऑफिस में शानदार कमाई कर इतिहास रच दिया है। इसका हिंदी डब संस्करण 9 जनवरी 2026 को रिलीज हुआ और दिलचस्प बात ये है कि यह फिल्म एक ही कैमरे से शूट की गई है। इसके गाने काफी भावपूर्ण हैं, जिन्हें हिंदी में भी डब किया गया है। इस एपिसोड में अक्षय ने फिल्म के निर्देशक अंकित सखिया और कलाकारों श्रुहद गोस्वामी, रीवा रच, और करण जोशी समेत पूरी टीम मस्ती करते नजर आए। वहीं, शो की शुरुआत में अक्षय ने बांसुरी बजाकर माहौल को और भी ज्यादा खास बनाया। अक्षय ने शो में बताया कि तीन दोस्तों, अंकित सखिया और उनके साथियों ने इस फिल्म

को बनाने का सपना देखा था। उन्होंने कहा, फिल्म बनाने के लिए अंकित और उनके साथियों के पास सिर्फ एक-दूसरे पर भरोसा था। उन्होंने एक दोस्त से कैमरा उधार लिया, दोस्तों को ही एक्टिंग करने को कहा और एक ही जगह पर पूरी फिल्म शूट कर डाली। सिर्फ 40 दिनों में शूटिंग पूरी हुई। टीम में करीब 15 प्रोड्यूसर थे, ज्यादातर कॉलेज के दोस्त। जब पैसे की कमी होती, तो ये दोस्त अपनी जमा-पूंजी से मदद करते थे।

अक्षय ने इस दोस्ती को 'अद्भुत' बताया और कहा कि यह फिल्म दोस्ती को समर्पित एक खूबसूरत तोहफा है। शो में निर्देशक अंकित ने भावुक होकर बताया कि वे और उनकी टीम हर सुबह थिएटर जाते थे। उन्होंने कहा, हम हर सुबह थिएटर के बाहर जाते थे और लोगों से फिल्म को लेकर पूछते थे, तो वे फिल्म को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया देते थे। कुछ दर्शकों को कहानी इतनी भावुक लगती थी कि फिल्म को देखते हुए उनकी आंखों से आंसू आ जाते थे, लेकिन इसके बावजूद सिनेमाघरों में सीटें खाली रहती थीं। यह देखकर हमारी टीम का दिल टूट जाता था। हम समझ नहीं पा रहे थे कि इतनी अच्छी फिल्म होने के बावजूद लोग क्यों नहीं आ रहे।

तभी अक्षय ने बीच में आकर बताया कि अंकित ने इसके बाद कितना बड़ा त्याग किया। उन्होंने कहा, ये लोगों को पैसे देते थे कि जाओ मेरी फिल्म देखो। ये लो, मैं टिकट देता हूं। अगर अच्छी लगे तो जाकर अपने दोस्तों को बताना। इस कहानी से अपना गहरा निजी जुड़ाव महसूस करते हुए, अक्षय ने अंकित से पूछा कि एक छोटे से बजट वाली फिल्म को 100 करोड़ की सफल फिल्म बनाने के इस मुश्किल सफर से उन्होंने क्या सीखा। अंकित ने जवाब दिया, मैंने एक ही बात सीखी कि अगर कुछ करना है, तो घर से बाहर निकलना होगा। उन्होंने फिल्म की सफलता का श्रेय दोस्तों को दिया। उन्होंने कहा, दोस्तों के साथ और भगवान कृष्ण की कृपा से यह संभव हुआ। अंकित ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि यह फिल्म अपने आप में दोस्ती को समर्पित एक तोहफा है, और इस तरह फिल्म के पीछे की असल जिंदगी की कहानी का एक खूबसूरत चक्र पूरा हो जाता है।

हवन

प्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा ने सोमवार को भोपाल के बिड़ुल मार्केट में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहाँ उन्होंने विधि-विधान के साथ शिवलिंग बनाने की रस्म पूरी की और पूजा-अर्चना की।

जीतो नार्थ व साउथ चैप्टर के स्थापना दिवस मनाया गया

कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक एकता का दिया गया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ एवं नॉर्थ चैप्टर द्वारा 20वें फाउंडेशन-डे समारोह टाउनहॉल में मनाया गया। जीतो के सम्मानित पदाधिकारियों द्वारा जैन प्रतीक से सुसज्जित ध्वज का ध्वजारोहण कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। नार्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि जैन समाज का राष्ट्र निर्माण में योगदान सदैव अद्वितीय रहा है। साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा कि ऐसे आयोजन संगठन को एक सूत्र में जोड़ने के साथ-साथ समाज के लिए सकारात्मक दिशा में कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। नॉर्थ चैप्टर के महामंत्री विजय सिंघवी एवं साउथ चैप्टर के महामंत्री नितिन लुनिया ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए जीतो की स्थापना की महत्ता एव मूल्यों पर प्रकाश डाला एवं सभी संस्थापकों की दूरदृष्टि की सराहना करते हुए जैन समुदाय को एक मंच पर लाने एवं जैन समाज की प्रगति में सहभागी होने की सराहना की। जीतो अपेक्स और बेंगलूरु के पूर्व चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि जीतो ने सामूहिक पुरुषार्थ, समर्पण और संगठन की शक्ति के बल पर समाजोत्थान के अनेक कार्य किए हैं।

इस मौके पर अतिथि के रूप में उपस्थित डिफेंस एवं जियोपॉलिटिक्स विशेषज्ञ सेवानिवर्त मेजर गौरव आर्य का परिचय कार्यक्रम संयोजिका एवं साउथ चैप्टर की मंत्री कोमल भंडारी ने दिया। अपने संबोधन में मेजर गौरव आर्य ने कहा कि देश और समाज के लिए कार्य करना ही सच्चे अर्थों में देशप्रेम है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी हमें एकजुट होकर राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व में चल रहे संघर्षों के पीछे कई बार आर्थिक हित भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए इन परिस्थितियों को समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति सदैव शांति, संवाद और सहयोग की भावना पर आधारित रही है तथा भारत अपनी संस्कृति और सामूहिक संकल्प के बल पर विश्व पटल पर निरंतर प्रगति कर रहा है। इस अवसर पर जीतो के पदाधिकारियों द्वारा उनका सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम संयोजक एवं नार्थ चैप्टर के मंत्री किशोर कर्णावत ने प्रख्यात वीर रस कवि विनीत चौहान का परिचय दिया। इसके पश्चात विनीत चौहान ने अपनी ओजस्वी काव्य प्रस्तुति से सभागार में देशभक्ति और उत्साह का वातावरण बना दिया। इस अवसर पर जीतो के पदाधिकारियों द्वारा उनका भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर जीतो अपेक्स, साउथ-नार्थ चैप्टर, लेडीज विंग, यूथ विंग, केकेजी जोन व अन्य संबंधित संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। अंत में सहसंयोजक नितेश गांधी ने सभी को धन्यवाद दिया।

कर्नाटक बिहारी समाज ने बेंगलूरु पूर्व अंचल के पदाधिकारियों को पदभार ग्रहण करवाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक बिहारी समाज के तत्वावधान में रविवार को बेंगलूरु पूर्व अंचल के पदाधिकारियों की बैठक हुई तथा पदाधिकारियों को कार्यभार ग्रहण करवाया गया। सभा में उपस्थित पदाधिकारियों व सदस्यों को सम्बोधित करते हुए समाज के अध्यक्ष प्रो.विनय कुमार यादव ने समाज के सशक्त निर्माण की आवश्यकता पर अपना विचार रखे। समाज के संस्थापक उदय सिंह ने सभी बिहारियों को एकजुट होने पर बल देते हुए कहा कि बेंगलूर को आधुनिक बेंगलूर बनाने के लिए बिहारियों ने अपना खून और पसीना बहाया है, लेकिन उन्हें(बिहारियों) को आज भी सम्मानपूर्वक जीवन नहीं मिला।

उन्होंने बड़े भारी मन से कहा कि आज भी राज्य में प्रवासित बिहारियों को 'बाहरी' कह करके सम्बोधित किया जाता है जो कि बहुत ही दुखद है।

कर्नाटक में बिहारी बाहरी और बिहार में परदेशी। ऐसी स्थिति वाले बिहारी समुदाय को एक सशक्त पहचान व सम्मान मिलना अति आवश्यक है। उसके लिए कर्नाटक बिहारी समाज अपनी टीम के साथ प्रयासरत है। संस्थापक उदयसिंह व अध्यक्ष विनय यादव ने पूर्व अंचल के अध्यक्ष पद के लिए गोपाल यादव को चुना और उनके साथ पूर्व अंचल के विभिन्न क्षेत्र के पदाधिकारियों का चयन कर नियुक्ति पत्र सौंपा। इस मौके पर पूर्व अंचल के हुड्डी-महादेवपुरा, कित्तीगन्नूर, सर्जापुर, मालसंद्रा, मारथहल्ली, होसकोटे, अवलहल्ली, बुद्धिगेरे, बिरदाहल्ली, होरामावु, हेन्नूर, जिगनी, मेदाहल्ली, केआर पुरम,होसकूर, वरतूर, बेलथूर-सोनेनाहल्ली क्षेत्र के पदाधिकारियों की घोषणा कर पदभार ग्रहण करवाया गया। दुर्गासिंह ने समाज के गठन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

संत दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु शहर में चातुर्मास करने आ रहे मुनिश्री विनीत कुमार जी, आकाश कुमारजी, हितेंद्र कुमारजी एवं पुनीत कुमार जी शिव्वमोग्गा पहुंचे। आरआर नगर के सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बाँठिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने तेरापंथ भवन शिव्वमोग्गा में विराजित संतजनों के दर्शन कर सेवा का लाभ लिया। चातुर्मास के बाद मुनियों ने अब तक 1200 किलोमीटर का विहार सम्पन्न कर लिया है। मुनिश्री अनेक क्षेत्रों का स्पर्शना करते हुए बेंगलूरु पहुंचेंगे।

ब्यावर संघ के होली मिलन में हुई प्रभु भक्ति, साधर्मिक भक्ति व गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ का होली स्नेह मिलन का आयोजन रविवार को किया गया। संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि सदस्य परिवारों के लिए नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक के सदस्यों ने परमात्मा पार्श्वनाथ और नाकोड़ा भैरव देव की भक्ति का आयोजन किया गया। इस भक्ति कार्यक्रम में बड़ी संख्या में में सदस्य परिवारों ने श्रद्धा से भाग लिया और भजनों पर झूमकर नाचकर प्रभु पार्श्वनाथ और भैरवदेव के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।कार्यक्रम में पारम्परिक गैर नृत्य प्रस्तुत किया गया। गैर नृत्य में पुरुषों और स्त्रियों में सबसे अच्छी वेषभूषा और नृत्य हेतु प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संघ के महामंत्री रूपचंद कुमट ने बताया कि इस अवसर पर संघ के सदस्यों द्वारा गौशाला में गौ माता की सेवा हेतु ट्रस्ट के राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही संघ के चेयरमैन महेन्द्र कुमार भन्साली की प्रेरणा से साधर्मिक भक्ति का प्रकल्प भी संघ की ओर से प्रारम्भ किया गया जिसमें महेन्द्र भन्साली, रुपचंद कुमट, चेतनकुमार रश्मिदेवी रेदासनी परिवार, नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस के सदस्य, प्रेमलतादेवी सज्जनसिंह खटोड़ परिवार के साथ अनेक सदस्यों ने अपनी ओर से साधर्मिक भक्ति हेतु राशि प्रदान करने की घोषणा की। बस व्यवस्था और भोजन व्यवस्था में ब्यावर संघ युवा शाखा के अध्यक्ष कुलदीप छाजेड़, महामंत्री चेतन रेदासनी की टीम व गैर कार्यक्रम और अन्य मनोरंजक खेलों में ब्यावर महिला विंग के संयोजिका मोनिका कुमट ने संचालन किया। कार्यक्रम के अन्त में सभी ने ब्यावर की पारंपरिक गुलाल से होली खेली।

बसवनगुड़ी में मुमुक्षुद्वय का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में आचार्यश्री युगभूषणसूरीश्वरजी (पंडित महाराज) के आज्ञावर्ती आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मुम्बई निवासी मुमुक्षुद्वय मेहल शाह व हितांशी कटारिया का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने मुमुक्षुओं को शुभकामनाएँ दी । संचालन करते हुए अरविन्द कोठारी दोनों मुमुक्षुओं का परिचय दिया। ललित डाकलिया ने बताया कि दोनों मुमुक्षुओं की जैन भागवती दीक्षा 9 जुलाई को बेंगलूरु में सम्पन्न होगी। इस अवसर पर पुखराज वनराज मुथा परिवार के गृह जिनालय में अजितनाथ परमात्मा की प्रतिष्ठा के लिए आचार्यश्री ने शुभ मुहूर्त प्रदान किया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

भाषा और संस्कारों से होती है संस्कृति की सुरक्षा : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली-धारवाड़ प्रवास के दौरान रविवार को एक परिसंवाद कार्यक्रम में प्रवचन देते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भारतीय संस्कृति ने विश्व को बहुत कुछ दिया है। आधुनिक भारत के लोग विदेशों की नकल करते हैं, जबकि प्राचीनकाल में तो विदेशी लोग भारत से सीखते थे। वे 2700 वर्ष पूर्व विद्या-अध्ययन के लिए तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों में आया करते थे। बौद्ध चीनी यात्री हुयेन सांग ने इन बातों का उल्लेख अपनी डायरी में किया है। जो सत्व और संस्कार भारत की माटी में हैं, शायद वैसा किसी और जगह नहीं है। जब ब्रिटेन में एलोपैथी का जन्म भी नहीं हुआ था, उस जमाने में भारत में सुश्रुत नामक वैद्य द्वारा रचित ग्रंथ के आधार पर एनेस्थेसिया दिया जाता था और सिजेरियन बच्चे होते थे। ङ्कआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि संस्कृत देव भाषा है। भारतीय संस्कृति संस्कृत से संस्कारित हुई है, इसका शब्द भंडार वैभवशाली है। यह शब्दों की जन्मदात्री है। अर्थों और भावों के अनुरूप विविध शब्द रचनाओं का सामर्थ्य इसी के पास है। अनेक प्राचीन भारतीय भाषाओं पर संस्कृत का सर्वाधिक प्रभाव है। भाषा मानवीय सभ्यता और संस्कृति का महत्वपूर्ण पक्ष होता है। जो लोग अपनी भाषा को खो देते हैं, वे धीरे धीरे अपने सांस्कृतिक पतन की ओर आगे बढ़ जाते हैं। संस्कृत ने भारतीय संस्कृति को सुरक्षित रखा है। यहां की गौरवशाली परंपराओं और महान संस्कारों से मानवीय सभ्यता को नई रोशनी मिली है। इसमें संस्कृत भाषा का उल्लेखनीय योगदान है। हजारों वर्षों के संक्रमण काल के बावजूद भारतीय संस्कृति अक्षुण्ण रही है। आधुनिक भारतीय समाज को संस्कृत भाषा, अपनी संस्कृति और संस्कारों के बारे में गहराई से अध्ययन एवं चिंतन-मंथन करने की आवश्यकता है।ङ्कगणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि संस्कृति से ही धर्म और समाज की सुरक्षा और उन्नति होती है। इस महान संस्कृति की रक्षा के लिए पुरखों के बलिदानों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज हम जो कुछ हैं, संस्कृति की बदौलत हैं। इस मौके पर योग प्रशिक्षक प्रसन्ना दीक्षित ने कहा कि योग साधना भारतीय संस्कृति की विश्व को अमर देन है। तन और मन के स्वास्थ्य के लिए योग अनिवार्य है। भारतीय संस्कृति ने साधु-संतों, ऋषि-मुनियों और योगियों की जो परंपरा दी है, वह विश्वभर में दुर्लभ है। कार्यक्रम के संयोजक जितेंद्र भंसाली ने भी सभा का संचालन किया। कार्यक्रम में धारवाड़, गदग, बल्लारी, बेंगलूरु, हुब्बल्ली आदि अनेक क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित थे।

मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति ने कर्नाटक के रायचूर में एम्स स्थापित करने की मांग उठाई राज्यसभा में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। राज्यसभा में मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति ने सोमवार को केंद्र सरकार से कर्नाटक के रायचूर जिले में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान (एम्स) स्थापित करने का आग्रह करते हुए कहा कि उत्तर कर्नाटक लंबे समय से विकास की बाट जोह रहा है और वहां स्वास्थ्य ढांचे की स्थिति काफी कमजोर है। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए सुधा मूर्ति ने कहा कि केंद्र सरकार ने कई राज्यों में एम्स स्थापित किए हैं, लेकिन कर्नाटक में अब तक एक भी एम्स नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रही हूं कि इसे हुबली या बेंगलूरु में बनाया जाए, बल्कि इसे रायचूर जिले में स्थापित किया जाना चाहिए। सुधा मूर्ति ने कहा कि रायचूर उन जिलों में शामिल है जिन्हें नीति आयोग ने देश के सबसे पिछड़े जिलों में चिह्नित किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर कर्नाटक क्षेत्र लंबे समय से उपेक्षा का शिकार रहा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कर्नाटक का विकास मैसुरु के वाडियार शासकों के कार्यकाल में हुआ, जबकि उत्तर कर्नाटक करीब 260 वर्षों से विकास के मामले में पिछड़ा रहा है। सुधा मूर्ति ने कहा कि इस क्षेत्र में पर्याप्त अस्पताल अवसंरचना और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं, जिसके कारण मरीजों को इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि रायचूर और आसपास के इलाकों के लोग अक्सर इलाज के लिए हैदराबाद या बेंगलूरु जाते हैं। उन्होंने कहा, वहां के गरीब लोगों को इलाज के लिए बड़े शहरों में रहने वाले लोगों की तुलना में अधिक खर्च करना पड़ता है।

सुधा मूर्ति ने रायचूर जिले में शिक्षा की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जिले में साक्षरता दर काफी कम है, जहां महिला साक्षरता करीब 48 प्रतिशत और पुरुष साक्षरता करीब 60 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि रायचूर में एम्स की स्थापना से न केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच बेहतर होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे और छात्रों को भी चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिलेंगे। मूर्ति ने कहा कि ऐसे संस्थानों की स्थापना से क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने में भी मदद मिल सकती है।

प्रतियोगिता — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विनम क्रिकेटर्स द्वारा प्रकाशनगर स्थित बेट्टा खेल मैदान में 'क्रिकेट स्पर्धा विनम क्रिकेटर्स कप सीजन-2' का आयोजन किया गया, जिसमें 32 टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद एवं व्यायाम अति आवश्यक है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए हरी झंडी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक सरकार ने सोमवार को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में इस साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैचों की मेजबानी करने की औपचारिक मंजूरी दे दी। इसके साथ ही इस स्टेडियम में आईपीएल मैचों के आयोजन को लेकर पिछले लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितता भी समाप्त हो गई। पिछले साल आरसीबी के चैंपियन बनने के बाद यहां आयोजित किए गए समारोह के दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई थी।

आईपीएल 28 मार्च से शुरू होगा जिसमें मौजूदा चैंपियन आरसीबी उद्घाटन मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगा। यह मैच पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच से पहले आईपीएल का उद्घाटन समारोह अभी इसी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। कर्नाटक के गृह मंत्री परमेश्वर की अध्यक्षता में राज्य सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति तथा केएससीए, आरसीबी और उनकी प्रबंधन कंपनी डीएनए के प्रतिनिधियों के बीच बैठक के बाद कर्नाटक सरकार ने औपचारिक मंजूरी दी। केएससीए के प्रवक्ता विनय मृत्युंजय ने एक बयान में कहा, बैठक के दौरान विशेषज्ञ समिति ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में की गई तैयारियों और उपायों के संबंध में रिपोर्ट पेश की। समिति की सिफारिश के आधार पर गृहमंत्री ने स्टेडियम में आईपीएल मैचों के आयोजन के लिए औपचारिक मंजूरी दे दी है।'' आरसीबी ने इससे पहले घोषणा कर दी थी कि वह अपने सात घरेलू मैचों में से पांच मैच बेंगलुरु में जबकि दो मैच रायपुर में खेलेगा।

एबीईएम दक्षिण के स्नेह मिलन में गूंजा आपसी सहयोग का नारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय एकता मंच (एबीईएम) के तत्वावधान में दक्षिण क्षेत्र में बेगूर रोड स्थित एसएनएन अपार्टमेन्ट में वार्षिक स्नेह मिलन मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में एकता मंच के संस्थापक उदय कुमार सिंह उपस्थित थे। उदय सिंह ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के अलग-अलग शहरों से आकर बेंगलूरु को दुनिया के नक्शे में सिलिकॉन वैली का श्रेय दिलाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका उत्तरभारतीयों की है, हम सभी को एकजुट रहकर समाज को मजबूती प्रदान करना है। हम सभी एक रहेंगे तो आपसी परिचय बढ़ेगा और हम एक दूसरे के विकास में भागीदार बनते हुए समाज को नई राह प्रदान कर सकते हैं। इस मौके पर एकता मंच के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा आगे के कार्यों की रूपरेखा बनाई। इस स्नेह मिलन में विवेक पांडे, सुरेश चौधरी, संतोष त्रिपाठी, राजेश रंजन, मनदीपसिंह, प्रकाश अग्रवाल, पराग अग्रवाल, डॉ ऊषा राठौड़, गीतांजली गोस्वामी आदि ने उदय कुमार सिंह का सम्मान किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**